के.डी.न्यूज

सुलतानपुर से प्रकाशित

हिन्दी दैनिक

UPHIN 47497

वर्ष–01 अंक 44 सुलतानपुर गुरूवार 19 दिसम्बर 2024 मूल्य : दो रूपया पृष्ठ : 4

मत विभाजन के समय लोकसभा से गायब रहे भाजपा के 20 सांसद, पार्टी नेतृत्व नाराज, नोटिस भेजा

नई दिल्ली 18 दिसम्बर (एजेंसी) मंगलवार को केंद्र सरकार की ओर से लोकसभा में एक देश, एक चुनाव संबंधी विधेयक पेश किया गया। इस दौरान हुए मत विभाजन के दौरान भाजपा के करीब 20 सांसद अनुपस्थित रहे जिससे मोदी सरकार की काफी किरकिरी हो रही है। हम आपको बता दें कि इस महत्वपूर्ण समय पर अनुपस्थित रहने वाले सांसदों में केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी, गिरिराज सिंह, सीआर पाटिल, ज्योतिरादित्य सिंधिया और भागीरथ चौधरी के अलावा कई नामी सांसद हैं। भाजपा ने अनुपस्थित रहने वाले सांसदों को नोटिस भेज कर कारण पूछा है और उनकी अनुपस्थिति की जांच कर रही है।हम आपको बता दें कि भाजपा ने तीन लाइन का एक व्हिप जारी करके अपने सभी सदस्यों को सदन में उपस्थित रहने को कहा था, लेकिन इतने सारे सांसदों की अनुपस्थिति से पार्टी नेतृत्व नाराज है। हालांकि, बताया जा रहा है कि कई सांसदों ने व्यक्तिगत और काम से संबंधित कारणों से अपनी अनुपस्थिति के बारे में पहले ही सूचित कर दिया था। एक वरिष्ठ नेता ने इस बारे में कहा, ''हम उनकी अनुपस्थिति के पीछे के कारणों की निश्चित रूप से जांच कर रहे हैं। कुछ के पास वास्तविक कारण थे।'' भाजपा इस बात पर भी गौर कर रही है कि सहयोगी दलों के सांसद किन कारणों से अनुपस्थित रहे थे। दरअसल इस विधेयक को पारित होने के लिए दो तिहाई बहुमत जरूरी है लेकिन अगर भाजपा को अपने सहयोगी दलों का ही साथ नहीं मिलेगा तो इस पर आगे बढ़ना मुश्किल हो जायेगा।जहां तक भाजपा सांसदों की अनुपस्थिति की बात है तो इसके बारे में सूत्रों ने बताया है कि केंद्रीय मंत्री सीआर पाटिल सहित कुछ सांसद राजस्थान में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के सार्वजनिक कार्यक्रम में व्यस्त थे। उन्होंने बताया कि मतदान के दौरान भाजपा के सहयोगी दलों के चार से पांच सांसद भी मौजूद नहीं थे। उन्होंने कहा कि इस पर भी गौर किया जा रहा है।

भाजपा ने एक व्हिप जारी करके अपने सभी सदस्यों को सदन में उपस्थित रहने को कहा था, लेकिन इतने सारे सांसदों की अनुपस्थिति से पार्टी नेतृत्व नाराज है। बताया जा रहा है कि कई सांसदों ने व्यक्तिगत और काम से संबंधित कारणों से अपनी अनुपस्थिति के बारे में पहले ही सूचित कर दिया था।

यूपी सरकार ने शिक्षा के क्षेत्र में 1.60 लाख भर्तियां कीं, योगी आदित्यनाथ ने उपलब्धियों का किया बखान

लखनऊ। 18 दिसम्बर (एजेंसी) उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को राज्य विधानसभा के शीतकालीन सत्र के दूसरे दिन शिक्षा क्षेत्र में सरकार की उपलब्धियों पर प्रकाश डाला। आदित्यनाथ ने कहा, ''हमारी सरकार ने शिक्षा क्षेत्र में 1.60 लाख से अधिक भर्तियां सफलतापूर्वक की हैं। सपा विधायक मनोज कुमार पारस, पूजा और पंकज पटेल द्वारा उठाई गई चिंताओं को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने उनके मुद्दों के महत्व और संवेदनशीलता को स्वीकार किया, लेकिन सदस्यों से सदन की मर्यादा बनाए रखते हुए तथ्य प्रस्तुत करने का आग्रह किया।मुख्यमंत्री ने कहा कि बेसिक, माध्यमिक, उच्च, प्राविधिक, व्यावसायिक और चिकित्सा शिक्षा सहित शिक्षा क्षेत्र में भर्ती को सुव्यवस्थित करने के लिए एक नया चयन बोर्ड, उत्तर प्रदेश शिक्षा सेवा चयन आयोग का गठन किया गया है। उन्होंने कहा, ''आयोग विभिन्न विभागों से अधियाचन प्राप्त करके भर्ती प्रक्रिया को आगे बढ़ा रहा है। हमारी सरकार ने अकेले शिक्षा विभाग में 1.60 लाख से अधिक भर्तियां सफलतापूर्वक की हैं जो पद पिछली सरकार के कुप्रबंधन और गलत इरादों के कारण खाली रह गए थे।''सीएम ने कहा, ''2017 से पहले यूपी लोक सेवा आयोग की स्थिति से लोग वाकिफ हैं। एसडीएम के 86 पदों में से 56 पर एक ही जाति के लोग थे। आयोग कार्यालय के बाहर युवाओं ने महीनों तक धरना दिया था।''सीएम ने कहा कि एक अयोग्य व्यक्ति को आयोग का अध्यक्ष नियुक्त किया गया, जिसकी डिग्री फर्जी थी और जो पद के लिए अयोग्य था। उसके पास व्याख्याता बनने की योग्यता नहीं थी, उसके पास फर्जी हाईस्कूल, इंटरमीडिएट के प्रमाण पत्र और थर्ड डिवीजन के साथ स्नातक की डिग्री थी, फिर भी उसे आयोग का अध्यक्ष नियुक्त किया गया, जिससे पूरे संगठन और उसके युवाओं का भविष्य खतरे में पड़ गया।उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने भर्ती प्रक्रिया में पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए सुधार लागू किए हैं। आदित्यनाथ ने कहा, ''आयोगों और बोर्डों को भर्ती प्रक्रिया को पूरा करने का पूरा अधिकार है, जिसे ईमानदारी के साथ पूरा किया जाना चाहिए।''

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने राज्य विधानसभा के शीतकालीन सत्र के दौरान शिक्षा के क्षेत्र में अपनी सरकार की उपलब्धियों पर जोर दिया, जिसमें उत्तर प्रदेश शिक्षा सेवा चयन आयोग के तहत 1.60 लाख से ज्यादा भर्तियां और सुव्यवस्थित प्रक्रियाएं शामिल हैं।

जिला जज द्वारा कारागार का औचक निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का लिया गया जायजा।

सुल्तानपुर। जिला जज लक्ष्मीकांत शुक्ला, जिलाधिकारी कृतिका ज्योत्सना, पुलिस अधीक्षक सोमेन वर्मा सुलतानपुर व जिलाधिकारी निशा आनंत अमेठी, पुलिस अधीक्षक अमेठी व ए.सी.जे.एम(1)सी.जे.एम. सुल्तानपुर ने जिला कारागार का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया, इस दौरान सम्बन्धित को आवश्यक दिशा–निर्देश दिए गए। औचक निरीक्षण के दौरान बन्दीगृह ६ बैरक, भोजनालय आदि का निरीक्षण करने के साथ ही साफ–सफाई आदि व्यवस्थाओं का जायजा लिया गया। जिला कारागार में निरूद्ध बन्दियों एवं जिला कारागार में नियुक्त कर्मचारियों को आवश्यक दिशा–निर्देश व कारागार में बरती जाने वाली सावधानियों एवं अन्य निर्देशों के प्रति जागरूक किया गया। जेल के अंदर कोई भी प्रतिबंधित सामग्री ना जाए इसके लिए संबंधित को आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए। इस दौरान जेल सुपरिंटेंडेंट प्रांजल अरविंद, जेलर नीरज श्रीवास्तव व अन्य डिप्टी जेलर मौजूद रहे।

वैष्णो देवी रोपवे परियोजना के विरोध में कटरा बंद का ऐलान

कटरा18 दिसम्बर (एजेंसी) वैष्णो देवी रोपवे परियोजना के विरोध में माता वैष्णो देवी संघर्ष समिति ने बुधवार को कटरा बंद का ऐलान किया है। समिति ताराकोट रोपवे परियोजना का विरोध कर रही है। माता वैष्णो देवी संघर्ष समिति के पदाधिकारियों कहा कि होटल, गेस्ट हाउस, टैक्सी, ऑटो चालकों सहित सभी दुकानदार सुबह 11 बजे शालीमार पार्क में एकत्रित होंगे और आगे की रणनीति तय करेंगे। इस विरोध प्रदर्शन को कांग्रेस और पीडीपी ने भी समर्थन देने का ऐलान किया है।माता वैष्णो देवी श्राइन बोर्ड ने ताराकोट मार्ग से सांझी छत के बीच 12 किलोमीटर के मार्ग पर 250 करोड़ रुपये की लागत से यात्री रोपवे परियोजना को आगे बढ़ाने का फैसला किया था। यात्रा मार्ग के दुकानदार, पिट्ठू और पालकीवालों के साथ स्थानीय लोग इस परियोजना का विरोध कर रहे हैं। उन्हें अपनी आजीविका के नुकसान का डर है। परियोजना का विरोध कर रहे लोगों का दावा है कि रोपवे कटरा के बाजार को बायपास कर देगा, जिससे तीर्थयात्रियों के आवागमन पर निर्भर हजारों दुकानदारों पर असर पड़ सकता है।

दिल्ली के किसी भी अस्पताल में 60 साल से ज्यादा उम्र के बुजुर्गों का होगा मुफ्त इलाज : केजरीवाल

नयी दिल्ली 18 दिसम्बर (एजेंसी) आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने दिल्ली विधानसभा चुनाव में एक और योजना का ऐलान करते हुए दिल्ली के बुजुर्गों को संजीवनी दी है। अरविंद केजरीवाल ने कहा कि संजीवनी योजना के तहत दिल्ली के 60 साल उम्र से अधिक के सभी बुजुर्गों का दिल्ली के किसी भी अस्पताल में मुफ्त इलाज किया जाएगा। उन्होंने कहा है कि दिल्ली के हमारे सभी बुजुर्गों के लिए खुशखबरी है। दिल्ली में 60 साल से ज़्यादा उम्र के सभी नागरिकों का इलाज मुफ्त होगा। ये केजरीवाल की गारंटी है। अरविंद केजरीवाल ने कहा कि बुजुर्गों ने ही परिवार को अच्छी शिक्षा दीक्षा देकर इस काबिल बनाया है कि वह आज वह अपना काम कर रहे हैं। लेकिन कई बार ऐसा देखने को मिलता है कि अस्पतालों में इलाज के अभाव की वजह से बुजुर्गों को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ता है। कई बार लोग बुजुर्गों का इलाज करवाने में कतराते भी हैं क्योंकि काफी पैसा उसमें खर्च होता है।

अरविंद केजरीवाल ने रामायण के एक प्रसंग का उदाहरण देते हुए बताया कि जब लक्ष्मण जी मूर्छित हुए थे तब हनुमान जी उनके लिए संजीवनी लेकर आए थे। आज आम आदमी पार्टी भी दिल्ली के सभी बुजुर्गों के लिए संजीवनी योजना लेकर आई है। जिसके तहत दिल्ली के सरकारी और गैर सरकारी सभी अस्पतालों में 60 साल से ज्यादा उम्र के बुजुर्गों का इलाज फ्री किया जाएगा। इसमें ना कोई अमीर ना कोई गरीब देखा जाएगा और ना ही कोई लिमिट होगी। अरविंद केजरीवाल ने एक जनसभा में यह घोषणा की है जिसमें बड़ी संख्या में दिल्ली के अलग–अलग इलाकों से आए बुजुर्ग मौजूद थे। अरविंद केजरीवाल विधानसभा चुनाव से पहले एक के बाद एक योजनाओं के पिटारे खोल रहे हैं। इससे पहले भी उन्होंने ऑटो वालों के लिए बीमा और उनकी बेटी की शादी की योजना निकली थी।

गरीबी, बेरोजगारी और महंगाई से लोगों को राहत देने के लिए इसी सत्र में सरकर योजनाएं शुरु करे:मायावती

मायावती ने एक्स पर पोस्ट किया,''उत्तर प्रदेश में भी गरीबी, बेरोजगारी व महंगाई आदि से त्रस्त लोगों के हितों में यहां चल रहे विधानसभा सत्र में सरकार को कुछ ऐसी योजनाओं को भी शुरु करना चाहिये जिससे इनको थोड़ी राहत मिल सके।''

लखनऊ 18 दिसम्बर (एजेंसी) बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की प्रमुख मायावती ने बुधवार को कहा कि उत्तर प्रदेश सरकार को विधानसभा के चालू सत्र में कुछ योजनाएं शुरू करनी चाहिए, जिनसे गरीबी, बेरोजगारी और महंगाई से जूझ रहे लोगों को राहत मिल सके।मायावती ने एक्स पर पोस्ट किया,''उत्तर प्रदेश में भी गरीबी, बेरोजगारी व महंगाई आदि से त्रस्त लोगों के हितों में यहां चल रहे विधानसभा सत्र में सरकार को कुछ ऐसी योजनाओं को भी शुरू करना चाहिये जिससे इनको थोड़ी राहत मिल सके।''उन्होंने कहा, इससे इनको कुछ हद तक राहत जरूर मिलेगी। इनकी ओर से पार्टी की यह खघस अपील है।

उत्तर प्रदेश की 403 सदस्यों वाली विधानसभा में बसपा का सिर्फ एक सदस्य है।

आबेडकर के प्रति नेहरु की नफरत जगजाहिर

जवाहर लाल नेहरु की चुनिंदा कुतिया के किस संदर्भ का जिक्र कर शाह ने उठाए कांग्रेस की मंशा पर सवाल

कांग्रेस के आरोपों के बीच गृह मंत्री अमित शाह ने प्रेस कान्फ्रेंस करते हुए इतिहास के कुछ तथ्यों का उल्लेख कर ये बताने की कोशिश की है कि बीजेपी नहीं बल्कि कांग्रेस ने ही समय समय पर बाबा साहब का अपमान किया है। वहीं बीजेपी और मोदी सरकार को आबेडकर के सपनों को आकार देने में लगी है। अमित शाह ने इसके लिए इतिहास के कुछ पन्नों को फिर से खोला है।

समय के हिसाब से सियासत बदलती है और उस सियासत के हिसाब से नायक भी बदले जाते हैं। आज बाबा साहब भीमराव अंबेडकर सभी राजनीतिक पार्टियों की जरूरत बन गए हैं। ये इतिहास की वो रस्साकस्सी है जिसमें तमाम शख्सियतों को अपने खेमें में डालने की होड़ में सभी पार्टियां लगी हैं। चाहे वो महात्मा गांधी से लेकर पटेल हों या पटेल से लेकर अंबेडकर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बाबा साहब अंबेडकर के सिद्धांतो पर चलकर पीएम बनने की बात करते नजर आते हैं। पीएम ने संविधान निर्माता को श्रद्धांजलि देने में कोई कसर नहीं छोड़ी है। वहीं लोकसभा चुनाव के वक्त विपक्ष एक नैरेटिव चलाता है कि बीजेपी सत्ता मेंआई तो संविधान बदल कर आरक्षण खत्म कर देगी, और ये बात चुनावी मुद्दा बन गई। पूरे चुनाव में राहुल गांधी ने आरक्षण को मुद्दा बनाया। हर चुनावी रैली में संविधान की कॉपी लेकर भाषण दिया। यहां तक की वो सांसद के तौर पर शपथ लेने गए तो उस वक्त भी उनके हाथों में संविधान की कॉपी नजर आई। उसी संविधान के 75 साल पर संसद में हुई चर्चा में दिए एक बयान ने नया राजनीतिक घमासान खड़ा कर दिया है। अमित शाह के अंबेडकर को लेकर दिए बयान पर कांग्रेस ने मोर्चा खोल रखा है। वहीं बीजेपी की तरफ से इसे विपक्ष की शर्मनाक हरकत मचाकर तथ्यों को तोड़ मरोड़ कर पेश करने का दावा किया जा रहा है। कांग्रेस के आरोपों के बीच गृह मंत्री अमित शाह ने प्रेस कॉन्फ्रेंस करते हुए इतिहास के कुछ तथ्यों का उल्लेख कर ये बताने की कोशिश की है कि बीजेपी नहीं बल्कि कांग्रेस ने ही समय समय पर बाबा साहब का अपमान किया है। वहीं बीजेपी और मोदी सरकार को अंबेडकर के सपनों को आकार देने में लगी है। अमित शाह ने इसके लिए इतिहास के कुछ पन्नों को फिर से खोला है। अमित शाह ने कहा कि जब संसद में चर्चा चल रही थी, तो यह साबित हो गया कि कांग्रेस ने किस तरह बाबा साहेब अंबेडकर का विरोध किया। किस तरह कांग्रेस ने बाबा साहेब की मृत्यु के बाद भी उनका मजाक उड़ाने की कोशिश की। जहां तक भारत रत्न देने की बात है, कांग्रेस के नेताओं ने कई बार खुद को भारत रत्न दिया है। नेहरू जी ने 1955 में खुद को भारत रत्न दिया, इंदिरा गांधी ने 1971 में खुद को भारत रत्न दिया और बाबा साहेब को 1990 में भारत रत्न मिला, जब कांग्रेस पार्टी सत्ता में नहीं थी और भारतीय जनता पार्टी द्वारा समर्थित सरकार थीष अंबेडकर के प्रति नेहरू की नफरत जगजाहिर है।

दिल्ली चुनाव में हरि नगर सीट पर आप का खेल बिगाड़ सकते हैं हरशरण सिंह बल्ली चार बार रह चुके हैं विधायक

विधानसभा चुनावों से पहले राजनीतिक समीकरणों में बड़ा लगातार बड़े बदलाव देखने को मिल रहे हैं। बीते नबंवर में आम आदमी पार्टी के वरिष्ठ नेता और दिल्ली के पूर्व मंत्री सरदार हरशरण सिंह बल्ली अपने बेटे सरदार गुरमीत सिंह बल्ली के साथ एक बार फिर भारतीय जनता पार्टी में शामिल हो गए।

नई दिल्ली 18 दिसम्बर (एजेंसी) दिल्ली विधानसभा चुनावों से पहले राजनीतिक समीकरणों में बड़ा लगातार बड़े बदलाव देखने को मिल रहे हैं। बीते नबंवर में आम आदमी पार्टी के वरिष्ठ नेता और दिल्ली के पूर्व मंत्री सरदार हरशरण सिंह बल्ली अपने बेटे सरदार गुरमीत सिंह बल्ली के साथ एक बार फिर भारतीय जनता पार्टी में शामिल हो गए। बल्ली परिवार का यह कदम ।ह के लिए बड़ा झटका माना जा रहा है और भाजपा के लिए संभावित रूप से एक मजबूती का संकेत। सरदार हरशरण सिंह बल्ली का दिल्ली की राजनीति में लंबा अनुभव है।भाजपा नेता बल्ली हरि नगर सीट से चार बार विधायक रहे हैं और मदन लाल खुराना की कैबिनेट में विभिन्न महत्वपूर्ण विभागों जैसे उद्योग, श्रम, जेल, भाषा, और गुरुद्वारा प्रशासन का कार्यभार संभाल चुके हैं। 2013 में भाजपा से टिकट न मिलने पर उन्होंने कांग्रेस का दामन थामा और विधानसभा चुनाव लड़। जिसमेंवे ।ह उम्मीदवार से चुनाव हार गए थे। इसके बाद वे 2020 में ।ह में शामिल हुए थे।

भाजपा में बल्ली की वापसी करीब चार साल बाद हुई है। जनवरी 2020 में उन्होंने तत्कालीन दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल और तत्कालीन उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया की मौजूदगी में भगवा पार्टी छोड़कर आप में शामिल हो गए थे। बल्ली 1993 से 2013 तक हरि नगर विधानसभा क्षेत्र से विधायक रहे और दिल्ली में मदन लाल खुराना की सरकार के दौरान औद्योगिक मंत्री भी रहे।

दिल्ली में उन्हें एक कद्दावर भाजपा नेता और स्वतंत्रता सेनानी परिवार के बेटे और दिल्ली के इतिहास में एकमात्र सिख के रूप में वर्णित किया जा सकता है, जिन्हें लगातार 4 बार विधानसभा के सदस्य के रूप में चुना गया है और वे दिल्ली नगर निगम के सदस्य रहे हैं और दिल्ली में 3 मुख्यमंत्रियों मदन लाल खुराना, साहिब सिंह वर्मा और सुषमा स्वराज के अधीन मंत्री के रूप में कार्य किया है। साथ ही वे 6 साल तक आश्वासन समिति के अध्यक्ष भी रहे। पहली विधानसभा के बाद से वे चुनावों में प्रमुख विजेता रहे हैं और 1993 से 2013 तक 20 वर्षों तक विधायक रहे है। वे भाजपा सिख सेल के संस्थापक भी थे। वे विश्व पंजाबी संगठन की संचालन समिति के सदस्य है।आप के लिए बड़ा झटका

विधानसभा चुनाव से पहले ।ह को बड़ा झटका इस कदम से ।ह को कुछ निर्वाचन क्षेत्रों में अपने प्रभाव को बनाए रखने में चुनौती का सामना करना पड़ सकता है। जबकि भाजपा के लिए यह कदम चुनावी तैयारियों में एक मजबूत निर्णय के रूप में देखा जा रहा है। चुनाव नजदीक आने के साथ यह देखना महत्वपूर्ण होगा कि इन नेताओं का पार्टी बदलना किस प्रकार से आगामी विधानसभा

उपमुख्यमंत्री केशव ने ली चुटकी

लखनऊसंवाददाता यूपी कांग्रेस के विधानसभा घेराव को लेकर उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने चुटकी ली है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस सपा में फूट हो चुकी है। संभल मामले में भी दो धाराओं में सपा कांग्रेस बंटे नजर आ रहे हैं।उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने बुधवार को विधानसभा सत्र में भाग लेने से पहले पत्रकारों से कहा कि सपा कह रही है कि लोकसभा चुनाव में जीत उनके कारण मिली है। कांग्रेस का कहना वह उनके कारण जीते हैं। दोनों अपने अपने महत्व को दर्शाना चाहते हैं लेकिन कांग्रेस मुक्त उत्तर प्रदेश समाजवादी पार्टी का समाप्तवादी होना तय हैं। इसलिए 2027 में 2017 की तरह ही भाजपा की प्रचंड बहुमत की सरकार बनेगी। प्रदर्शन खोखला है। न इनके पास कोई नेता है न ही नीति।सपा सांसद जियाउर्रहमान बर्क ने हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाते हुए मांग की है संभल घटना के दौरान जो उनके ऊपर एफआईआर है, उसे हटाया जाए क्योंकि वह घटना के दौरान मौजूद नहीं थे। इस पर उपमुख्यमंत्री ने कहा कि न्यायालय का दरवाजा कोई भी खटखटा सकता है। इस पर कोई टिप्पणी नहीं है लेकिन तथ्य इस प्रकार मिले हैं कि सपा सांसद विधायक सपा के दंगाई कार्यकर्ता संभल मामले में दोषी हैं तो जांच के अनुसार उन पर कठोर कार्रवाई होगी। कांग्रेस के प्रदर्शन को लेकर विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष माता प्रसाद पांडेय ने कहा कि लोकतांत्रिक व्यवस्था में हमें अपनी बात रखने और प्रदर्शन करने का अधिकार है।

बिजली के निजीकरण पर सत्ता पक्ष और विपक्ष में छिड़ी जंग

लखनऊसंवाददाता उत्तर प्रदेश विधानमंडल के शीतकालीन सत्र के आज तीसरे दिन सदन की कार्यवाही सुबह 11 बजे शुरू हुई और विपक्ष ने सत्ता पक्ष पर बिजली के निजीकरण के मुद्दे को लेकर सवाल उठाए। सपा ने कहा कि हमारी सरकार में बिजली व्यवस्था में सुधार हुआ था। इंफ्रास्ट्रक्चर पर काम हुआ था। आज निजीकरण किया जा रहा है। इससे बिजली महंगी हो जाएगी। ऊर्जा विभाग पर सपा विधायक रागिनी सोनकर ने सवाल उठाए।

सम्पादकीय...

आंदोलन का प्रभाव सीमित ही बना हुआ

तीन कृषि कानूनों के खिलाफ 20 महीनों तक संघर्षरत रहने के बाद एसकेएम को कामयाबी मिली। लेकिन इस तरीके को हर संघर्ष की सफलता का सूत्र मान लेना कितना उचित है, इस पर एसकेएम के अ–राजनीतिक गुट को अवश्य विचार करना चाहिए।

अपने को गैर राजनीतिक कहने वाले संयुक्त किसान मोर्चा (एसकेएम) का संघर्ष लगातार गतिरोध का शिकार बना हुआ है, तो उसके पीछे खुद इस गुट की अपनी सोच कम जिम्मेदार नहीं है। एक तरीका एक मामले में सफल हुआ, तो उसे ही अन्य या कहीं व्यापक मुद्दों पर अपनाने की समझ समस्याग्रस्त है। 2020 में तीन कृषि कानून पारित होने से किसानों के सामने एक फौरी चुनौती पेश आई थी, जिस पर प्रतिरोध जताने के लिए के वे दिल्ली आए। चूंकि दिल्ली में उन्हें प्रवेश नहीं करने दिया गया, तो तीन दिशाओं से आए किसान दिल्ली से लगी तीन सीमाओं पर बैठ गए। 20 महीनों इसी रूप संघर्षरत रहने के बाद उन्हें कामयाबी मिली। इसे हर संघर्ष में सफलता का सूत्र मान लेना कितना उचित है, इस पर अ–राजनीतिक गुट को अवश्य विचार करना चाहिए।

इस गुट ने बाकी समूहों की तुलना में खुद को अधिक रैडिकल दिखाने के लिए एसकेएम की एकता तोड़ दी। जब एसकेएम ट्रेड यूनियनों और अन्य जन संगठनों के साथ मिल कर अपने आंदोलन को बड़ा संदर्भ देने की दिशा में बढ़ रहा था, तब इस समूह ने दलील दी कि किसानों को किसान मुद्दों तक ही सीमित रखना चाहिए। इस रूप में देश की राजनीतिक–अर्थव्यवस्था के वर्तमान स्वरूप के प्रति इस समूह एक तरह का भोलापन दिखाया। अपनी मांगों को मनवाने के लिए उसने फिर दिल्ली कूच किया, जिसे हरियाणा के पहले ही शंभू बॉर्डर पर रोक दिया गया। तब से वे हीं बैठे रहे हैं।

अब छह दिसंबर से उन्होंने फिर से दिल्ली आने की मुहिम शुरू की है, जिसको लेकर दो दिन उनका पुलिस से टकराव हो चुका है। किसानों की मांगों में एमएसपी की कानूनी गारंटी, कृषि कर्ज माफी, बिजली की कीमतें ना बढ़ाना, किसान और खेत में काम करने वाले मजदूरों के लिए पेंशन जैसी मांगें शामिल हैं। इसके अलावा वे 2021 के लखीमपुर खीरी हिंसा के पीडिध्तों के लिए न्याय, भूमि अधिग्रहण अधिनियम–2013 को बहाल करने और 2020–21 के आंदोलन में मरे किसानों के परिवारों के लिए मुआवजे की भी मांग कर रहे हैं। फिर भी आंदोलन का प्रभाव सीमित ही बना हुआ है।

सत्ता और पद के नशे से लडखड़घता सिस्टम

जब भी समाज घातक घटनाओं को नजरअंदाज करता है और उन पर कोई स्टैंड नहीं लेता तो वे नजीर बन जातीं हैं। अठारह साल पहले स्व जुगलकिशोर बागरी ने माध्यमिक शिक्षा मंडल के एक बाबू का कालर पकड़ लिया था वे तब जल संसाधन मंत्री थे।उसी काल में एक और मंत्री उमाशंकर गुप्ता ने भी एक डाक्टर को थप्पड़ जड़ दिया था।घटनायें तो भुला दीं गईं किंतु विकृति बढ़ती गई है।देश आज जिस राह पर है वह निश्चित ही चौंकाने वाला है।प्रतिक्रियायें हिंसक और उन्मादी होती जा रहीं हैं।सीमायें अपने आप टूट रहीं हैं।ऐसा क्यों हो रहा है।पूर्व मद्दे हुईं तीन घटनाओं की तरह एक ही सप्ताह में फिर से वैसी ही नई घटनायें सामने आ गई हैं।जो झकझोरतीं हैं।इलाहाबाद हाईकोर्ट के एक जज ने अपने सार्वजनिक भाषण में अल्पसंख्यकों को कठमुल्ला कहते हुए उन्हें देश के लिये खतरनाक बताया है।वे कथित रूप से बहुसंख्यकों के अनुसार देश चलाने की बात भी कहते हैं। उनके विरुद्ध महाअभियोग लाने की बात हो रही है।यह रेडिकिलाईजेशन (कट्टरता) की नई नजीर है।इससे भी खतरनाक घटना गाजियाबाद के जिला जज द्वारा छोटी सी बात पर वकीलों से हुए वाद विवाद में जिला न्यायाधीश और वकीलों के बीच में कथित झूमा झटकी की है, जहां पुलिस द्वारा वकीलों की जबरदस्त पिटाई के बाद वकीलों द्वारा अदालत के बाहर पुलिस चौकी में आग लगा देने की है।यह दोनों घटनायें न्यायपालिका के आचरण पर रोशनी डालती हैं अगर न्यायाधीश इतने ही प्रतिक्रियावादी हो जायेंगे तब निष्पक्ष न्याय की परिकल्पना ही व्यर्थ है।कल तक तो न्याय की मूर्ति की आंखों पर पट्टी थी लेकिन आज तो पट्टी हटा दी गई है ,तब जजों और वकीलों का यह कथित व्यवहार स्पष्ट संकेत है कि प्रतिक्रिया का उत्तेजक जहर पूरे कुंए में घुल चुका है।एक राष्ट्रीय दल के बड़े नेता के विरुद्ध विदिशा में शर्मनाक मामले में एफआईआर दर्ज हुई है।उसकी भतीजी ने ही उस पर यौन शोषण और रेप के आरोप लगाये हैं।हालांकि भाजपा ने उसे पार्टी से निष्कासित कर दिया है किंतु यह वासनागत उन्माद की पराकाष्ठा है

आरोप–प्रत्यारोप की भेंट चढ़ा संविधान पर चर्चा का सत्र

जहां विपक्ष ने आरक्षण विरोधी आरोपों को दोहराते हुए कहा कि सत्ता पक्ष मूल रूप से आरक्षण की व्यवस्था के खिलाफ है और जब–तब दबे–छुपे ढंग से उसकी यह अंदरूनी इच्छा संघ और पार्टी के छोटे–बड़े नेताओं के बयानों से जाहिर होती रहती है।सर्वोच्च लोकतांत्रिक सदन लोकसभा संजीदा बहस की जगह हंगामे का केंद्र बनती जा रही है, जो दुर्भाग्यपूर्ण एवं विडम्बनापूर्ण है। जहां जनता से जुड़े मुद्दों पर सार्थक बहस की जगह शोर शराबा, हंगामा और सदन का स्थगित होना ही आम होता जा रहा है। यही बात लोकसभा में संविधान को लेकर हुई दो दिनों की बहस की चर्चा के दौरान देखने को मिली। संविधान निर्माण के 75वें वर्ष पर हुई यह चर्चा भी छिछालेदार, आरोप–प्रत्यारोप एवं उच्छृंखलता का माध्यम बनी, जबकि संविधान पर इस चर्चा से जनता को एवं देश को सही दिशा मिलनी चाहिए थी, संविधान के प्रति प्रतिबद्धता दोहरायी जानी चाहिए थी। संविधान जैसे सर्वाध्कि महत्वपूर्ण विषय पर सार्थक बहस न होना लोकतंत्र को कमजोर करने एवं लोकतंत्र रूपी उजालों पर कालिख पोतना ही है। सत्तापक्ष और विपक्ष ने संविधान पर चर्चा के बहाने एक–दूसरे को कठघरे में खड़ा करने का काम करके आकाश पर पैबंद लगाने एवं सछिद्र नाव पर सवार होकर संविधान रूपी सागर की यात्रा करने का ही संकेत देकर देश की जनता को निराश ही किया है।भले ही अपने तर्कों एवं तथ्यों से पक्ष एवं विपक्ष ने अतीत के प्रसंगों और विषयों को अधिक रेखांकित किया गया हो। निश्चित ही सत्ता पक्ष और विपक्ष के अलग–अलग नजरियों को स्पष्ट करने वाली यह बहस न केवल समकालीन राजनीतिक मुद्दों पर बल्कि लोकतंत्र, समाज और इतिहास से जुड़े कई महत्वपूर्ण पहलुओं को उजागर करने वाली रही, लेकिन इस बहस में आरक्षण, सावरकर, मनुस्मृति और अदाणी को शामिल करना विपक्ष की बुद्धि का दिवालियापन ही कहा जा सकता है। इनमें से अनेक प्रसंग और विषय ऐसे थे, जिन पर पहले भी किसी न किसी बहाने संसद के भीतर या बाहर चर्चा होती रही है। यह पहले से दिख रहा था कि विपक्ष संविधान पर चर्चा के बहाने यह बताने की कोशिश करेगा कि संविधान खतरे में है। लेकिन यह समझाने के लिए विपक्षी नेताओं के पास कोई मजबूत तर्क नहीं थे, वे यह स्पष्ट करने में विफल रहे कि आखिर संविधान को खतरा कैसे है? कांग्रेस संविधान पर चर्चा करते समय यह भी भूल गई कि वह यदि मोदी सरकार के एक दशक के कार्यकाल की गलतियां गिनायेगी तो उसे भी अपने चार दशकों के कार्यकाल की गलतियों हिसाब देना होगा। संविधान पर चर्चा के दौरान जैसे विपक्ष ने सत्तापक्ष पर आरोपों की झड़ी लगाई वैसे ही सत्तापक्ष ने भी विपक्ष पर आरोपों की बौछार की। लेकिन यह सब करते हुए पक्ष एवं विपक्ष ने संविधान की विशेषताओं को उजागर करने की सकारात्मकता की बजाय विध्वंसात्मक नीति का ही सहारा लिया। जहां विपक्ष ने आरक्षण विरोधी आरोपों को दोहराते हुए कहा कि सत्ता पक्ष मूल रूप से आरक्षण की व्यवस्था के खिलाफ है और जब–तब दबे–छुपे ढंग से उसकी यह अंदरूनी इच्छा संघ और पार्टी के छोटे–बड़े नेताओं के बयानों से जाहिर होती रहती है। जवाब में खुद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने स्पष्ट किया कि आरक्षण की जो व्यवस्था अभी लागू है, उनकी सरकार उस पर आंच नहीं आने देगी, लेकिन धर्म के आधार पर आरक्षण देने की कोई भी कोशिश वह सफल नहीं होने देगी। जाहिर है, इसमें मतदाताओं को अपनी पाली में करने की दोनों पक्षों की कोशिश भी देखी और पहचानी जा सकती है। सत्तापक्ष और विपक्ष ने संविध्ान पर चर्चा के बहाने एक–दूसरे को कठघरे में खड़ा करने का काम ईर्ष्या और मात्सर्य की भावना से किया, जो तोड़–फोड़ की नीति में विश्वास को ही बल दे रहा था। लगता है कि विपक्षी नेता यह समझने को तैयार नहीं कि लोकसभा चुनाव के समय उन्होंने संविध्ान के खतरे में होने का जो हौवा खड़ा किया था, वह अब असरकारी नहीं रह गया है। विपक्ष के रवैये से यही लगा कि उसे यह बुनियादी बात समझने में मुश्किल हो रही है कि जाति जनगणना कराने–न कराने से संविधान की सेहत पर क्या असर पड़ने वाला है? कांग्रेस के लिये यदि जाति जनगणना इतनी ही आवश्यक है तो नेहरू, इंदिरा, राजीव गांधी और मनमोहन सिंह के कार्यकाल में क्यों नहीं कराई गई? अच्छा होता कि कांग्रेस नेता पहले इस प्रश्न का जवाब देते और फिर जाति जनगणना की आवश्यकता रेखांकित करते। लेकिन विपक्ष एवं विशेषकर कांग्रेस ऐसे मुद्दों को उछालकर खुद ही निरुत्तर होती रही है। पूरी बहस में महापुरुषों को घसीटने का बिंदु ऐसा था जो न केवल बहस का जायका बिगाड़ने वाला कहा जा सकता है बल्कि यह निरुद्देश्यता एवं स्तरहीनता को ही दर्शाने वाला कहा जा सकता है। कांग्रेस और अन्य विपक्षी दलों को यह भी बताना चाहिए कि संविधान पर बहस करते समय सावरकर का नाम लेना और मनुस्मृति दिखाना क्यों आवश्यक हो गया था? कांग्रेस को यह समझ आ जाए तो बेहतर कि सावरकर, मनुस्मृति और अदाणी का उल्लेख करते रहने से उसे कोई राजनीतिक लाभ नहीं मिलने वाला। लोकतंत्र में सत्ता पक्ष और विपक्ष की तू–तू मैं–मैं चलती रहती है, लेकिन इसमें महापुरुषों को घसीटना अब बंद होना चाहिए। हमारे हर महापुरुष ने अपने समय, समाज और समझ की सीमाओं में रहते हुए कुछ ऐसा योगदान किया, जिसके लिए हम कृतज्ञ महसूस करते हैं।

इसका मतलब उनके हर विचार से सहमति रखना या उनके हर कृत्य को समर्थन देना नहीं है। लेकिन उनके प्रति समाज की या उसके एक हिस्से की भी भावनाओं का सम्मान हमारी राजनीति का हिस्सा होना चाहिए। सत्ता पक्ष ने इमरजेंसी का पुराना आरोप भी उछला, लेकिन नई बात यह रही कि इस पर बचाव की मुद्रा अपनाने के बजाय कांग्रेस इस तर्क के साथ सामने आई है कि भाजपा को भी अपनी गलतियों के लिए माफी मांगनी चाहिए। लेकिन यहां इमरजेंसी जैसी कोई भाजपा की गलती बताने में कांग्रेस नाकाम ही रही। एक और बड़ी विडम्बना यह देखने को मिली कि संविधान निर्माण को किसी दल विशेष की देन कहा गया जबकि संविधान निर्माण में सभी दलों की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने विपक्ष पर विशेषतौर पर कांग्रेस पर जमकर हमला बोला और कहा कि पिछले कुछ वर्षों से देश में ऐसा माहौल बनाया गया है कि संविधान एक पार्टी की विशेष देन है, जबकि वास्तविकता यह है कि संविधान के निर्माण में बहुत से लोगों की भूमिका रही है जिसे पूरी तरह से नकार दिया गया। संविधान सभा ने जो संविधान तैयार किया था, वह केवल कानूनी दस्तावेज नहीं था, बल्कि वह जनआकांक्षाओं का प्रतिबिंब था।

उन्होंने कहा कि संविधान पार्टी विशेष नहीं बल्कि राष्ट्र का है, पार्टी विशेष ने संविधान निर्माण को हाईजैक कर लिया। निश्चित ही संविधान देश का सुरक्षा कवच है। लोकसभा में संविधान पर बहस की मूल आवश्यकता उन कारणों पर बुनियादी चर्चा की थी जिनके चलते संविधान निर्माताओं के सपने अभी भी अधूरे हैं और नियम–कानूनों पर संविधान की मूल भावना के अनुरूप पालन नहीं हो पा रहा है। बहरहाल, इसमें शक नहीं कि बहस का केंद्र यही सवाल रहा कि कौन संविधान और संवैधानिक मूल्यों को लेकर समर्पित है और कौन इस पर दोहरा खेल खेल रहा है? नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने जहां सावरकर के सहारे भाजपा पर निशाना साधा वहीं प्रध्ानमंत्री मोदी ने देश के पहले प्रधानमंत्री पंडित नेहरू की गलतियां गिनाईं।

कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी ने भाजपा पर हमला करते हुए कहा कि भाजपा ने संविधान के रूप में मिले सुरक्षा कवच को तोड़ा है। भारत का संविधान, संघ का विधान नहीं है। इसी बात को दोहराते हुए अखिलेश यादव ने केंद्र सरकार पर निशाना साधा और कहा कि आज देश की सीमाएं सुरक्षित नहीं हैं। विपक्ष के इन आरोपों में कितनी सच्चाई है यह तो देश एवं दुनिया भलीभांति देख रही है। मोदी के शासन में न केवल देश के भीतर शांति एवं अमनचौन बना है बल्कि सीमाओं पर भी सुरक्षा मजबूत हुई है। पडोसी देश भारत की ओर नजर करने का दुस्साहस नहीं कर पा रहे हैं तो इससे अधिक सीमा की सुरक्षा एवं देश की सुरक्षा क्या हो सकती है? उचित होता संविधान पर चर्चा के दौरान बहस के स्तर को ऊंचा उठाते हुए आरोप–प्रत्यारोप से बचते हुए संविधान को प्रभावी तरीके से लागू करने में सहायक बनने वाले बिंदुओं पर सहमति कायम की जाती।

विपक्षी एलायंस को जिंदा रखने राहुल को डिस्क्रेडिट करो

हरिशंकर व्यास

यदि राहुल गांधी राजनीति से रिटायर हो जाएं, विदेश जा कर बस जाएं तो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गौतम अडानी चौन की वह सांस लेंगे, जिसकी हम–आप कल्पना नहीं कर सकते हैं। इसलिए मोदीजी के भारत को आज चाहिए राहुल व सोनिया गांधी की कुरबानी। इसलिए क्योंकि राहुल को मोदी, अडानी न खरीद सकते हैं और न बोलने से रोक सकते हैं। जबकि सोनिया गांधी इसलिए समस्या हैं क्योंकि वह पुत्रमोह में हैं और इसके चलते वे उनसे कांग्रेस की कमान नहीं लेती हैं तो जिद्दी राहुल को बोलने से रोक भी नहीं सकतीं!यही वह सत्व–तत्व है, जिस पर यह राजनीति है, प्रायोजित मीडिया से हल्ला है कि इंडिया' ब्लॉक की लीडरशीप के लायक कांग्रेस नहीं है। इसलिए ममता बनर्जी इंडिया' ब्लॉक की नेता बने। नैरेटिव बनाया जा रहा है कि कांग्रेस को लेकर परस्पेशन डाउन है तो विपक्ष के एलायंस को बचना है तो किसी दूसरी पार्टी का नेता इंडिया' ब्लॉक की लीडरशीप संभाले। जाहिर है राहुल गांधी को डिस्क्रेडिट करो, उसे हाशिए में रखो ताकि विपक्षी एलायंस जिंदा रह सके!इस तरह की राजनीति को मैं जनता पार्टी याकि मोरारजी देसाई, चरण सिंह, मधु लिमये, राजानारायण के समय से देखता आ रहा हूं। धीरूभाई अंबानी के दिनों में वीपी सिंह, देवीलाल, शरद यादव के राज में थी। अंबानी के समय श्चांदी की जूतियों का जुमला था। लेकिन तब और अब का फर्क यह है कि इन दिनों सेठ ही सरकार है और श्नोटों से भरे कंटेनरों' से चुनाव जैसे जुमले हैं। इतिहास की कथाओं, दंतकथाओं का यह सत्य है, जो दिल्ली में मुगल दरबार और अंग्रेजों से नेहरू के समय तक भारत के धनपति या जगत सेठ नजराना पेश कर सकते थे लेकिन वे शासन चलाने की औकात नहीं रखते थे। अंग्रेजों ने लूटा लेकिन देशी सेठों के भ्रष्टाचार पर मोहर नहीं लगाई। टाटा–बिड़ला, अपनी उद्यमशीलता में बने थे और इनकी कंपनियां अंग्रेज कंपनियों से कंपीट करते हुए थीं। बिड़ला में हिम्मत थी जो गांधी को अपने घर में ठहराते थे। उन्हें चंदा देते थे!

क्या आज किसी भारतीय सेठ की हिम्मत है जो सरकार के नंबर एक विरोधी राहुल गांधी को बुलाए, ठहराए। वह पहले नरेंद्र मोदी से मिल कर अनुमति लेगा। तब शादी में आमंत्रित करने की हिम्मत कर सकेगा।

जाहिर है राहुल गांधी की वह निडरता व फकीरी है जो अपने हाल में राजनीति करते हुए है। भले पार्टी भूखे मरे या कडकी में रहे! ईमानदारी से सोचें, पिछले दस वर्षों की राजनीति तथा मोदी–अडानी के वर्चस्व में विपक्षी नेताओं के व्यवहार का लब्बोलुआब निकालें तो क्या निकलेगा? क्या यह नहीं कि सरकार का विरोध तो राहुल गांधी से ही है। यदि मोदी ने सत्ता का पहाड़ अपनी ऊंगली पर उठाया हुआ है तो राहुल गांधी की ऊंगली पर विपक्ष का पहाड़ है। राहुल गांधी ही वह बला हैं, जिससे राफेल से अडानी तक का मसला घर–घर पहुंचा है। और यह इसी सप्ताह भाजपा के फ्रांसीसी मीडिया समूह श्मीडिया पार्ट' के हवाले आरोप से मालूम हुआ कि यह वेबसाइट राफेल के पीछे अभी भी पड़ी हुई है। भाजपा ने इसके हवाले जो आरोप लगाए उन पर श्मीडिया पार्ट' ने उलटे यह बयान दिया है कि भाजपा झूठ बोल रही है। उसके दावे गलत है तथा अब यह एक स्थापित तथ्य है कि मोदी सरकार 36 राफेल लड़ाकू विमानों की खरीद संबंधी भ्रष्टाचार के मामले को हर कीमत पर दफन करने की कोशिश कर रही है। फ्रांसीसी न्यायिक जांच में बाधक रही है। मतलब यह कि फ्रांस में मामला खत्म नहीं, बल्कि घसीटते हुए अभी भी जिंदा है।

ये सारे बवाल खत्म हो जाएं बशर्ते राहुल गांधी राजनीति छोड़ दें। राहुल की आवाज मौन हो जाए।मुझे नहीं लगता ममता बनर्जी या शरद पवार या एक्सवाईजेड दूसरा कोई नेता श्इंडिया' ब्लॉक का चेयरमैन बना तो राहुल गांधी का बोलना बंद होगा। मगर हां, यह संभव है कि ममता बनर्जी की अध्यक्षता में अखिलेश, लालू यादव, शरद पवार सब मिल कर कोलकाता या मुंबई में अपने मंच पर गौतम अडानी का अभिनंदन समारोह करें। विपक्ष नरेंद्र मोदी से अपील करे कि भारत की वैश्विक ख्याति में योगदान के लिए गौतम अडानी को उन्हें भारत रत्न देना चाहिए।

फिल्मी दुनिया/सेहत

पुष्पा 2 ने किया 1400 करोड़ का आंकड़ा पार, अब ओटीटी पर इस दिन रिलीज होगी अल्लू अर्जुन की फिल्म

पुष्पा 2 द रूल ने बॉक्स ऑफिस पर कमाई का ढेर लगा दिया है. फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर 12 दिन पूरे कर लिए हैं और फिल्म ने इन 12 दिनों में 1400 करोड़ रुपये से ज्यादा का कलेक्शन कर लिया है. इस बीच पुष्पा 2 के ओटीटी पर रिलीज होने की डेट की खबरें आ गई हैं. सोशल मीडिया पर कहा जा रहा है कि फिल्म पुष्पा 2 आगामी जनवरी 2025 में रिलीज होने जा रही है. फिल्म पुष्पा 2 ने बॉक्स ऑफिस पर 12वें दिन कितनी कमाई की और फिल्म ओटीटी पर कब आएगी आइए जानते हैं.

बता दें, पुष्पा 2 ने अपने दो हफ्ते पूरे करने से पहले ही 1400 करोड़ रुपये से ज्यादा का बिजनेस किया है. वहीं, फिल्म पुष्पा 2 भारत में 1000 करोड़ रुपये के करीब पहुंच चुकी है. बता दें, फिल्म पुष्पा 2 अपने दूसरे सोमवार पर धीमी पड़ती नजर आई है. फिल्म में पुष्पा 2 ने अपने दूसरे सोमवार महज 27.75 करोड़ रुपये का अब तक का सबसे कम कारोबार किया है, फिल्म पुष्पा 2 की कमाई में 63.77 फीसदी की गिरावट दर्ज की है. फिल्म ने बीते रविवार को 76.6 करोड़ रुपये कमाए थे. वहीं, भारत में फिल्म का कुल कलेक्शन 930.4 करोड़ रुपये । हो गया है और वर्ल्डवाइड फिल्म ने 1409 करोड़ रुपये का कमा लिए हैं.बता दें, पुष्पा 2 के ओटीटी पर रिलीज होने की खबर तेजी से फैल गई है. कहा जा रहा है कि फिल्म पुष्पा 2 नेटफ्लिक्स पर 23 जनवरी को रिलीज होने जा रही है. हालांकि अभी ऑफिशियल ऐसा कुछ

भी क्लियर नहीं हुआ है. वहीं, रिलीज से पहले पुष्पा 2 अपने डिजिटल राइट्स करोड़ों रुपे में बेच चुकी है. गौरतलब है कि पुष्पा 2 अपनी रिलीज के दो महीने के अंदर के ही ओटीटी पर रिलीज होने जा रही है.

राजामौली की आरआरआर बिहाइंड एंड बियान्ड डाक्यूमेंट्री का ट्रेलर रिलीज

एसएस राजामौली द्वारा निर्देशित 2022 की महाकाव्य पीरियड एक्शन फिल्म आरआरआर, दुनिया भर में सनसनी बन गई, जिसने दिग्गज फिल्म निर्माता जेम्स कैमरून और स्टीवन स्पीलबर्ग सहित वफादार प्रशंसकों और प्रशंसकों को आकर्षित किया। एक्शन तमाशा के पीछे की टीम ने अब फिल्म के निर्माण के बारे में एक डॉक्यूमेंट्री जारी करने की घोषणा की है, जिसका शीर्षक आरआरआर बिहाइंड एंड बियॉन्ड है। डॉक्यूमेंट्री का ट्रेलर सामने आ गया है, जिसमें महाकाव्य बनाते समय टीम के समर्पण, दृढ़ विश्वास और जुनून की झलकियाँ दी गई हैं। ट्रेलर में फिल्म के प्रमुख सितारे जूनियर एनटीआर और राम चरण फिल्म और इसके निर्देशक एसएस राजामौली के बारे में अज्ञात कहानियाँ और रोचक तथ्य साझा करते हैं। डॉक्यूमेंट्री में आलिया भट्ट और अजय देवगन सहित फिल्म की पूरी कास्ट के साथ–साथ डीओपी सेंथिल कुमार, एडिटर श्रीकर प्रसाद और प्रोडक्शन डिजाइनर साबू सिरिल सहित फिल्म की क्रू भी शामिल है। ट्रेलर धमाकेदार तरीके से खत्म होता है, जिसमें अकादमी पुरस्कार विजेता गीत नाटू नाटू की मेकिंग दिखाई जाती है, जिसे एमएम कीरावनी ने कंपोज किया है और चंद्रबोस ने लिखा है। आरआरआर बिहाइंड एंड बियॉन्ड 20 दिसंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है, जिससे प्रशंसकों को आरआरआर के जादू का अनुभव करने का मौका मिलेगा, जैसा पहले कभी नहीं हुआ। यह डॉक्यूमेंट्री प्रशंसकों को महाकाव्य फिल्म के निर्माण में एक रोमांचक यात्रा पर ले जाने का वादा करती है, जिसमें इस उत्कृष्ट कृति को बनाने में लगी कड़ी मेहनत, समर्पण और जुनून को दिखाया गया है। डीवीवी दानय्या द्वारा डीवीवी एंटरटेनमेंट्स के बैनर तले निर्मित आरआरआर भारत में तीसरी सबसे ज्यादा कमाई करने वाली फिल्म बन गई। आरआरआर बिहाइंड एंड बियॉन्ड के साथ, प्रशंसकों को फिल्म के उत्साह और रोमांच को फिर से जीने का मौका मिलेगा, और इस महाकाव्य फिल्म के निर्माण का अनुभव पहले कभी नहीं हुआ।

हिट द थर्ड केस के सेट से नानी की तस्वीर वायरल, फिल्म के लिए अभिनेता ने अपनाया यह खास लुक

साउथ के नेचुरल स्टार नानी इस समय कई रोमांचक प्रोजेक्ट्स में व्यस्त हैं और उनकी आने वाली फिल्म हिटरू द थर्ड केस काफी चर्चा बटोर रही है। हाल ही में फिल्म की शूटिंग के कश्मीर शेड्यूल से एक्टर की एक तस्वीर वायरल हुई है। फोटो में उन्हें एक अनोखे सॉल्ट–एंड–पेपर हेयरस्टाइल और दाढ़ी में देखा जा सकता है, जिसने प्रशंसकों और दर्शकों का ध्यान खींचा।तस्वीर में अभिनेता अपने नए और अनोखे स्टाइल में नजर आए। तस्वीर को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर साझा किया गया। पोस्ट के कैप्शन में लिखा है, हिट 3 कश्मीर शेड्यूल के लिए नानी का लेटेस्ट लुक। उन्हें एक गर्म सफेद जैकेट पहने देखा जा सकता है, इसे टी–शर्ट और जींस के साथ पेयर करते हुए उनके भूरे बाल हैं। यह तस्वीर शूटिंग के कश्मीर शेड्यूल की है।वह हिट फ्रेंचाइजी में शामिल होने वाले तीसरे अभिनेता हैं, जिसमें पहले विश्वक सेन और अदिवी सेश जैसे अभिनेताओं ने अभिनय किया था। इससे पहले 5 सितंबर को नानी के किरदार अर्जुन सरकार का पहला लुक सामने आया था, जिसमें उन्हें मामलों को सुलझाने के एक अनोखे तरीके के साथ एक आक्रामक पुलिस अधिकारी के रूप में दिखाया गया था। इंस्टाग्राम पर अपने लुक का परिचय देते हुए उन्होंने लिखा, पुलिस कम। अपराधी ज्यादा। अर्जुन सरकार ने कार्यभार संभाला। नानी 32 अब हिट द थर्ड केस है। खून के दरवाजे 1 मई 2025 को खुलेंगे।फिल्म में उनके किरदार से पता चलता है कि वह पुलिस वाले से कम और अपने तरीके से मामलों को सुलझाने वाले अपराधी से ज्यादा होंगे। सैलेश कोलानू द्वारा निर्देशित यह फिल्म 1 मई, 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। प्रशंसक अभिनेता को इस नए अवतार में देखने के लिए बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं।इसके बाद अभिनेता निर्देशक श्रीकांत ओडेला के साथ द पैराडाइज के लिए फिर से जुड़ेंगे। इससे पहले दोनों ने 2023 में रिलीज होने वाली पीरियड एक्शन

अक्षय कुमार की स्काई फोर्स से लीक हुआ सारा अली खान और वीर पहाडिया का वीडियो, डांस करते दिखे

अक्षय कुमार की स्काई फोर्स देशभक्ति पर आधारित फिल्म है। यह फिल्म 24 जनवरी, 2025 को रिलीज होगी। फिल्म की रिलीज से पहले गढ़वाली गाने का बीटीएस वीडियो सोशल मीडिया पर लीक हो गया है, जिसमें वीर और सारा अली खान डांस मूव्स करते नजर आ रहे हैं।निर्देशक संदीप केवलानी और अभिषेक अनिल कपूर द्वारा अपनी पहली निर्देशित देशभक्ति फिल्म स्काई फोर्स को लेकर प्रशंसक बेहद उत्साहित हैं। फिल्म स्काईफोर्स के सेट से गढ़वाली गाने पर सारा अली खान और वीर पहाडिया के डांस का एक वायरल वीडियो ऑनलाइन छाया हुआ है। इस वायरल वीडियो में सारा अली खान और वीर पहाडिया को गढ़वाली गाने पर थिरकते और डांस करते देखा जा सकता है। दोनों एक बौद्ध मंदिर के सामने बैकग्राउंड डांसर्स के साथ ताल से ताल मिलाते हुए नाचते नजर आ रहे हैं। सारा फ्लोरल वर्क वाली सफेद साड़ी में बेहद खूबसूरत लग रही हैं, जबकि वीर सूट में बेहद खूबसूरत लग रहे हैं। इस गाने को मसूरी के कुछ सबसे खूबसूरत जगहों पर फिल्माया जा रहा है।रिपोर्ट्स के अनुसार, दिनेश विजान की प्रोडक्शन टीम ने अपनी प्रमोशनल रणनीति के तहत स्काई फोर्स में अक्षय कुमार, निमरत कौर और वीर पहारिया के साथ एक स्पेशल गाना शामिल किया है। इस गाने को जोडने का उद्देश्य एक ऐसा गीत और संगीतमय अनुभव तैयार करना है, जो दर्शकों को बांधे रखेगा। रिपोर्ट्स के अनुसार, एक इंटरव्यू के दौरान दिनेश विजान, अमर कौशिक और टीम का मानना है कि स्काई फोर्स गणतंत्र दिवस के दौरान रिलीज के लिए बिल्कुल सही है, क्योंकि इसमें एक्शन, ड्रामा, इमोशन, रोमांच और देशभक्ति की भावना है।

इजराइल के प्रधानमंत्री नेतन्याहू ने सीरिया के 'बफर जोन' का दौरा किया

पिछले कुछ दिनों में इजराइल द्वारा कब्जा किए गए 'बफर जोन' में सुरक्षा संबंधित व्यवस्थाओं का जायजा ले रहे हैं। इजराइल के किसी नेता ने सीरियाई क्षेत्र में पहली बार प्रवेश किया है।इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजमिन नेतन्याहू ने मंगलवार को सीरिया से लगे 'बफर जोन' का दौरा किया। नेतन्याहू, सीरिया में बशर अल–असद की सरकार के बेदखल होने के बाद पिछले कुछ दिनों में इजराइल द्वारा कब्जा किए गए 'बफर जोन' में सुरक्षा संबंधित व्यवस्थाओं का जायजा ले रहे हैं। इजराइल के किसी नेता ने सीरियाई क्षेत्र में पहली बार प्रवेश किया है।

फिर दिखा बांग्लादेश का दोहरा चरित्र, उल्फा नेता परेश बरुआ की मौत की सजा रद्

2004 में बांग्लादेश में बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) और जमात–ए–इस्लामी के शासनकाल के दौरान हथियारों की बड़ी खेप जब्त की गई थी। भारत विरोधी ताकतों को हथियार तस्करी में तत्कालीन गृह मामलों के मंत्री लुत्फोजमां बाबर की संलिप्तता के सबूत थे। बांग्लादेश हाई कोर्ट की

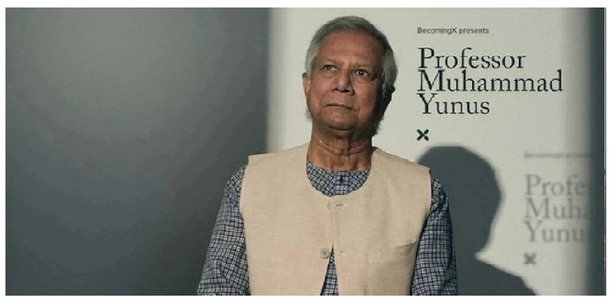

पीठ ने 2004 के चौटोग्राम हथियार बरामदगी मामले में पूर्व मंत्री लुत्फोजामन बाबर और पांच अन्य को बरी कर दिया है। प्रोथोम अलो के मुताबिक, प्रतिबंधित आतंकी संगठन उल्फा के प्रमुख परेश बरुआ की मौत की सजा को घटाकर उम्रकैद में बदल दिया गया है। यह मामला भारत के खिलाफ काम कर रहे आतंकी संगठनों के लिए लाए गए 10 ट्रक हथियारों और गोला–बारूद से संबंधित है। 2004 में बांग्लादेश में बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) और जमात–ए–इस्लामी के शासनकाल के दौरान हथियारों की बड़ी खेप जब्त की गई थी। भारत विरोधी ताकतों को हथियार तस्करी में तत्कालीन गृह मामलों के मंत्री लुत्फोजमां बाबर की संलिप्तता के सबूत थे। जब्त किए गए हथियारों में 27,000 से अधिक ग्रेनेड, 150 रॉकेट लॉन्चर, 11 लाख से अधिक गोला–बारूद, 1,100 सबमशीन बंदूकें और 11.41 मिलियन गोलियां शामिल हैं। एक सरकारी वकील ने कहा, दो सदस्यीय उच्च न्यायालय की पीठ ने उल्फा नेता परेश बरुआ की सजा को कम कर दिया, जिन्हें अनुपस्थिति में एक मुकदमे के बाद मौत की सजा सुनाई गई थी – अब माना जाता है कि वह चीन में रह रहे हैं और उन्हें आजीवन कारावास की सजा सुनाई गई है।. बेंच पर. उन्होंने कहा, न्यायमूर्ति मुस्तफा जमान इस्लाम और न्यायमूर्ति नसरीन अख्तर की उच्च न्यायालय की पीठ ने पूर्व गृह राज्य मंत्री लुतफुज्जमां बाबर और छह अन्य को बरी कर दिया, जिन्हें मृत्यु संदर्भ सुनवाई के बाद मृत्युदंड दिया गया था। फांसी से बचने वाले पांच अन्य लोग फोर्सेज इंटेलिजेंस (डीजीएफआई) के पूर्व महानिदेशक सेवानिवृत्त मेजर जनरल रेजाकुल हैदर चौधरी, राज्य संचालित उर्वरक संयंत्र (सीयूएफएल) के पूर्व प्रबंध निदेशक मोहसिन तालुकदार, इसके महाप्रबंधक एनामुल हक, पूर्व अतिरिक्त सचिव हैं। उद्योग मंत्रालय नुरुल अमीन और जमात–ए–इस्लामी नेता मोतिउर रहमान निजामी। ऐसा कहा गया था कि संयंत्र स्थल का उपयोग उल्फा के लिए हथियारों के ट्रांस–शिपमेंट के लिए किया गया था। बांग्लादेश के राष्ट्रीय सुरक्षा खुफिया के पूर्व प्रमुख पूर्व ब्रिगेडियर जनरल अब्दुर रहीम, जो डीजीएफआई के पूर्व निदेशक भी थे, को भी मौत की सजा सुनाई गई थी, लेकिन जेल में उनकी सामान्य मौत हो गई क्योंकि अपील और मौत की सुनवाई की प्रक्रिया चल रही थी। हालाँकि, पिछली बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी)–जमात गठबंधन सरकार में पूर्व मंत्री निजामी को बांग्लादेश के 1971 के मुक्ति संग्राम के दौरान पाकिस्तानी सैनिकों का पक्ष लेने के दौरान मानवता के खिलाफ अपराध के आरोप में कई साल पहले फाँसी दे दी गई थी, जबकि उनकी पार्टी देश के विरोध में थी। बाबर के वकील शिशिर मनीर ने पहले पीठ को बताया कि उनके मुवक्किल को राजनीतिक कारणों से मामले में झूठा फंसाया गया था और अभियोजन पक्ष उनके खिलाफ लगाए गए आरोपों के समर्थन में कोई विश्वसनीय सबूत या भरोसेमंद गवाह पेश नहीं कर सका।

मुंबई अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट पर नवंबर में आए 47 लाख से ज्यादा यात्री, कार्गो वाल्यूम 11 प्रतिशत बढ़ा

मुंबई ,18 दिसंबर । मुंबई अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट (छत्रपति शिवाजी महाराज इंटरनेशनल एयरपोर्ट– सीएसएमआईए) पर नवंबर 2024 में यात्रियों की संख्या में इजाफा हुआ। इस दौरान करीब 47.7 लाख यात्री एयरपोर्ट पर आए, इसमें से 34 लाख घरेलू और 13.7 लाख अंतरराष्ट्रीय यात्री थे।बीते महीने सीएसएमआईए ने 27,200 एयर ट्रैफिक मूवमेंट्स (विमानों की आवाजाही) को संभाला। इसमें से 19,696 घरेलू एयर ट्रैफिक मूवमेंट्स (मालवाहक विमानों को मिलाकर) थे, जबकि 7,504 अंतरराष्ट्रीय एयर ट्रैफिक मूवमेंट्स (मालवाहक विमानों को मिलाकर) थे।सीएसएमआईए द्वारा दी गई जानकारी में बताया गया कि बीते महीने 27 नवंबर सबसे व्यस्त दिन था। इस दिन एयरपोर्ट ने एक ही दिन में 941 फ्लाइट्स को संभाला। नवंबर के मजबूत प्रदर्शन के पीछे की वजह त्योहारी सीजन के कारण बड़ी संख्या में घरेलू और अंतरराष्ट्रीय ट्रैवल था।एयरपोर्ट के मुताबिक, घरेलू स्तर पर दिल्ली, बेंगलुरु और गोवा शीर्ष गंतव्य थे, जबकि दुबई, अबू धाबी और लंदन शीर्ष अंतरराष्ट्रीय गंतव्य थे।सीएसएमआईए ने नवंबर 2024 में 71,046 मीट्रिक टन (एमटी) कार्गो संभाला है। इसमें से 18,653 एमटी कार्गो घरेलू था, जबकि 52,393 एमटी अंतरराष्ट्रीय कार्गो था। नवंबर 2023 में यह आंकड़ा 63,924 एमटी था। इसमें सालाना आधार पर 11 प्रतिशत की बढ़त देखी गई है।घरेलू स्तर

पर एयरपोर्ट पर आने जाने वाले सामानों में इंजीनियरिंग गुड्स शीर्ष पर थे। अंतरराष्ट्रीय शिपमेंट में ऑटोमोबाइल, फार्मा और इलेक्ट्रॉनिक्स शीर्ष पर थे। कार्गो में घरेलू स्तर पर दिल्ली, बेंगलुरु और कोलकाता शीर्ष गंतव्य स्थान थे। वहीं, अंतरराष्ट्रीय स्तर पर दुबई, फ्रैंकफर्ट और लंदन शीर्ष गंतव्य स्थान थे।सीएसएमआईए पर नवंबर 2024 में कार्गो एयर ट्रैफिक मूवमेंट्स की संख्या 699 थी। इसमें से 349 घरेलू एयर ट्रैफिक मूवमेंट्स थे, जबकि 350 इंटरनेशनल एयर ट्रैफिक मूवमेंट्स थे।

पश्चिम एशिया में तनाव बढ़ा रहा भारत की टेंशन! विदेश मंत्री एस जयशंकर ने की विदेश मंत्री गिदोन साश से बात

आज इजराइल के विदेश मंत्री गिदोन साश से बात करके खुशी हुई। क्षेत्र में चल रहे विकास पर उनकी ब्रीफिंग की सराहना करें। जयशंकर ने एक्स पर कहा कि हमारे द्विपक्षीय संबंधों और उन्हें मजबूत करने के प्रयासों पर भी चर्चा हुई। उन्होंने कहा कि व्यक्तिगत रूप से मुलाकात के लिए उत्सुक हूं। समझा जाता है कि दोनों विदेश मंत्रियों ने 11 दिन पहले राष्ट्रपति बशर असद के शासन के पतन के बाद सीरिया की स्थिति पर भी चर्चा की। विद्रोही बलों ने कई अन्य प्रमुख शहरों और कस्बों पर कब्जा करने के बाद 8 दिसंबर को असद की सत्तावादी सरकार को उखाड़ फेंका। गाजा में इजरायल और हमास के बीच संभावित युद्धविराम समझौते के संकेतों के बीच विदेश मंत्री एस जयशंकर ने अपने इजरायली समकक्ष गिदोन सार से फोन पर बातचीत की। दोनों पक्षों के बीच कई महीनों की बातचीत में गतिरोध के बाद प्रस्तावित युद्धविराम और बंधकों की रिहाई के समझौते के लिए पिछले कुछ दिनों में राजनयिक व्यस्तताओं की बाढ़ आ गई है। गाजा में कथित तौर पर लगभग 95 बंधक हमास की हिरासत में हैं। आज इजराइल के विदेश मंत्री गिदोन साश्र से बात करके खुशी हुई। क्षेत्र में चल रहे विकास पर उनकी ब्रीफिंग की सराहना करें। जयशंकर ने एक्स पर कहा कि हमारे द्विपक्षीय संबंधों और उन्हें मजबूत करने के प्रयासों पर भी चर्चा हुई। उन्होंने कहा कि व्यक्तिगत रूप से मुलाकात के लिए उत्सुक हूं। समझा जाता है कि दोनों विदेश मंत्रियों ने 11 दिन पहले राष्ट्रपति बशर असद के शासन के पतन के बाद सीरिया की स्थिति पर भी चर्चा की। विद्रोही बलों ने कई अन्य प्रमुख शहरों और कस्बों पर कब्जा करने के बाद 8 दिसंबर को असद की सत्तावादी सरकार को उखाड़ फेंका। विद्रोही समूह हयात तहरीर अल–शाम (एचटीएस) द्वारा दमिश्क पर कब्जा करने के बाद असद रूस भाग गए, जिससे उनके परिवार के 50 साल के शासन का अंत हो गया। अपनी प्रतिक्रिया में, भारत ने उस देश में शांतिपूर्ण और समावेशी सीरियाई नेतृत्व वाली राजनीतिक प्रक्रिया की वकालत की। विदेश मंत्रालय (एमईए) ने 9 दिसंबर को कहा कि हम सभी पक्षों को सीरिया की एकता, संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता को संरक्षित करने की दिशा में काम करने की आवश्यकता को रेखांकित करते हैं।

अमेरिकी फेड मीटिंग के फैसले से पहले सपाट खुला भारतीय शेयर बाजार

मुंबई ,18 दिसंबर । भारतीय शेयर बाजार बुधवार को सपाट खुले, क्योंकि निवेशक अमेरिकी फेडरल रिजर्व के ब्याज दर निर्णय का इंतजार कर रहे हैं।

सुबह करीब 9रू33 बजे, सेंसेक्स 33.01 अंक या 0.04 प्रतिशत की गिरावट के बाद 80,651.44 पर कारोबार कर रहा था, जबकि निफ्टी 7.25 अंक या 0.03 प्रतिशत की गिरावट के बाद 24,328.75 पर कारोबार कर रहा था।

बाजार का रुख नकारात्मक रहा। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) पर 882 शेयर हरे निशान में कारोबार कर रहे थे, जबकि 1,306 शेयर लाल निशान में थे।

वैश्विक बाजारों का ध्यान फेड द्वारा आज रात आने वाले निर्णय पर रहेगा। बाजार द्वारा 25 आधार अंकों की दर कटौती की कीमत लगाई गई है।बाजार के जानकारों ने कहा, बाजार का ध्यान आज फेड की टिप्पणी पर रहेगा। भारतीय बाजार में एक महत्वपूर्ण प्रवृत्ति व्यापक बाजार से बेहतर प्रदर्शन है, जहां अच्छे नतीजों की बाजार में सराहना हो रही है और एफआईआई की बिकवाली की कोई चिंता नहीं है।

निफ्टी बैंक 152.85 अंक या 0.29 प्रतिशत की गिरावट के साथ 52,681.95 पर था। निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स 201.35 अंक या 0.34 प्रतिशत की गिरावट के बाद 58,900.55 पर कारोबार कर रहा था। निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स 52.05 अंक या 0.27 प्रतिशत की गिरावट के बाद 19,346.40 पर था।सेंसेक्स पैक में टाटा मोटर्स, पावर ग्रिड, एलएंडटी, मारुति, आईसीआईसीआई बैंक, इंडसइंड बैंक, अल्ट्राटेक सीमेंट, एसबीआई और एनटीपीसी टॉप लूजर्स थे। वहीं, सन फार्मा, एचसीएलटेक, टेक महिंद्रा, टीसीएस, आईटीसी, भारती एयरटेल और एमएंडएम टॉप गेनर्स थे।

एशियाई बाजारों में जापान और बैंकॉक को छोडकर चीन, हांगकांग, सोल और जकार्ता के बाजार हरे निशान में कारोबार कर रहे थे।

अमेरिकी शेयर बाजारों पिछले कारोबारी सत्र में नैस्डैक कंपोजिट और एसएंडपी 500 क्रमशरू 0.32 फीसदी और 0.39 प्रतिशत नीचे बंद हुए और डॉव जोन्स इंडस्ट्रियल एवरेज 0.61 प्रतिशत नीचे बंद हुआ।

विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) ने 17 दिसंबर को 6,409.86 करोड़ रुपये के शेयर बेचे, जबकि घरेलू संस्थागत निवेशकों ने उसी दिन 2,706.48 करोड़ रुपये के शेयर खरीदे।जानकारों ने कहा, निकट भविष्य में बाजार की स्थिति कमजोर हो गई है, क्योंकि एफआईआई तेजी के दौरान बिकवाली कर रहे हैं। दिसंबर की शुरुआत में एफआईआई की खरीदारी का रुझान, जैसा कि आशंका थी, कुछ समय भर के लिए ही था। कल नकद बाजार में एफआईआई द्वारा 6410 करोड़ रुपये की भारी बिकवाली से संकेत मिलता है कि बाजार में उछाल के कारण और अधिक बिकवाली की संभावना है।

मारुति सुजुकी इंडिया ने पहली बार एक कैलेंडर वर्ष में बेचे 20 लाख वाहन

नई दिल्ली ,18 दिसंबर । मारुति सुजुकी इंडिया ने मंगलवार को ऐलान किया कि कैलेंडर ईयर में कंपनी ने पहली बार 20 लाख वाहनों की बिक्री की है। ऑटोमोबाइल कंपनी सुजुकी मोटर कॉरपोरेशन की ग्लोबल ऑटोमोबाइल मैन्युफैक्चरिंग सुविधाओं में मारुति सुजुकी इंडिया इस मील के पत्थर तक पहुंचने वाली पहली कंपनी बन गई। 20 लाख वाहनों में से लगभग 60 प्रतिशत हरियाणा में और 40 प्रतिशत गुजरात में बनाए गए हैं।मारुति सुजुकी इंडिया के सीईओ और मैनेजिंग डायरेक्टर, हिसाशी ताकेउची ने कहा,प्रोडक्शन का आंकड़ा 20 लाख यूनिट्स तक पहुंचना भारत की मैन्युफैक्चरिंग की क्षमता को दिखाता है और श्मेक इन इंडियाश पहल के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाता है।ताकेउची ने कहा, यह उपलब्धि हमारे आपूर्तिकर्ता और डीलर भागीदारों के साथ मिलकर आर्थिक विकास को गति देने, राष्ट्र निर्माण में सहयोग देने और भारत के ऑटोमोबाइल उद्योग को आत्मनिर्भर और विश्व स्तर पर प्रतिस्पर्धी बनाने

इन्वेस्टेक ने अंबुजा सीमेंट्स को 950 रुपये के टारगेट प्राइस के साथ दी 'बाय' रेटिंग

मुंबई ,18 दिसंबर । ग्लोबल बैंकिंग और वेल्थ मैनेजमेंट ग्रुप इन्वेस्टेक ने बुधवार को अंबुजा सीमेंट्स को बाय रेटिंग दी है। साथ ही 950 रुपये का टारगेट प्राइस दिया है, जो कि अनुमानित मौजूदा प्राइस 577 रुपये से 65.1 प्रतिशत अधिक है।एक नोट में, इन्वेस्टेक ने लिखा कि उसे प्रबंधन में सहजता महसूस होती है, जो अपने विकास और,लागत लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए चल रही पहलों की पुष्टि करता है।इन्वेस्टेक ने कहा, ग्रोथ पाइपलाइन, लीज एक्सपायर, एसीईएम (अंबुजा सीमेंट्स) में प्रमोटर की आर्थिक रुचि को ध्यान में रखते हुए, हम एसीसी के बजाय एसीईएम को प्राथमिकता देते हैं। हम इस क्षेत्र के लिए कंसोलिडेशन, सस्टेनेबिलिटी, ईएसजी को प्रमुख विषयों के रूप में उजागर करते हैं और पाते हैं कि एसीईएम लाभ प्राप्त करने के लिए सबसे उपयुक्त है।

कंसोलिडेशन, स्ट्रीमलाइन ऑपरेशन और विशाल उत्पादन क्षमता पर ध्यान केंद्रित करते हुए, अंबुजा सीमेंट बाजार में अग्रणी के रूप में अपनी स्थिति को मजबूत कर रहा है और निवेशकों और हितधारकों के लिए एक बेहतर भविष्य आगे बना हुआ है।

अंबुजा सीमेंट्स के बोर्ड ने मंगलवार को अपनी हाल ही में अधिग्रहीत संस्थाओं सांघी इंडस्ट्रीज लिमिटेड और पेन्ना सीमेंट इंडस्ट्रीज लिमिटेड के विलय को अलग–अलग व्यवस्था योजनाओं के जरिए मंजूरी दे दी।अदाणी समूह की प्रमुख सीमेंट कंपनी, 10 रुपये फेस वैल्यू वाले सांघी इंडस्ट्रीज के प्रत्येक 100 इक्विटी शेयरों के लिए 2 रुपये फेस वैल्यू के 12 इक्विटी शेयर जारी करेगी।

एक्सचेंज फाइलिंग के अनुसार, सांघी इंडस्ट्रीज के पात्र शेयरधारक अंबुजा सीमेंट्स के शेयरधारक बन जाएंगे। इसमे आगे कहा गया है कि अपेक्षित अप्रूवल के अधीन, लेनदेन 9–12 महीनों के भीतर पूरा होने की उम्मीद है।

अंबुजा सीमेंट्स के पास सांघी इंडस्ट्रीज में 58.08 प्रतिशत हिस्सेदारी है और वह पेन्ना सीमेंट का पूर्ण स्वामित्व रखती है।

इन्वेस्टेक के अनुसार, यह कदम संगठनात्मक संरचना को सुव्यवस्थित करेगा, अनुपालन आवश्यकताओं को सरल करेगा और आरपीटी (लेटेड पार्टी ट्रांजेक्शन) को खत्म करेगा।

2023 में 5,000 करोड़ रुपये के एंटरप्राइज वैल्यू पर अंबुजा द्वारा अधिग्रहित सांघी इंडस्ट्रीज की क्लिंकर कैपेसिटी 6.6 मिलियन टन प्रति वर्ष, सीमेंट क्षमता 6.1 एमटीपीए और चूना पत्थर भंडार एक बिलियन टन है।इसका सांघीपुरम प्लांट भारत की सबसे बड़ी सिंगल–लोकेशन सीमेंट और क्लिंकर यूनिट है, जिसमें कैप्टिव जेटी और कैप्टिव पावर प्लांट है।

अदाणी समूह के सीमेंट व्यवसाय के सीईओ अजय कपूर के अनुसार, विलय का उद्देश्य अंबुजा सीमेंट्स को अधिक प्रतिस्पर्धी और कुशल बनाना है, जिसमें बेहतर कार्यशील पूंजी प्रबंधन और व्यवसाय विकास का समर्थन करने के लिए आंतरिक निधि शामिल है।

स्पैम टेलीमार्केटिंग मैसेज किए जा रहे ब्लाक, ग्राहकों को नहीं आएगी परेशानी

नई दिल्ली ,18 दिसंबर । टेलीकॉम ऑपरेटर उन मैसेज को ब्लॉक कर रहे हैं, जिनके पास सरकार के निर्देश के अनुसार कोई परिभाषित या मेल खाने वाली टेलीमार्केटर सीरीज नहीं है। इस कदम को श्स्पैम फ्री कम्युनिकेशनश सुनिश्चित करने के लिए उठाया जा रहा है।

भारतीय दूरसंचार नियामक प्राधिकरण (ट्राई) के 20 अगस्त 2024 को जारी निर्देश के अनुसार, प्रमुख संस्थाओं (पीई) द्वारा भेजे गए सभी कमर्शियल मैसेज को अब पूरी तरह से ट्रेस किया जा सकेगा।

टेलीकॉम सर्विस प्रोवाइडर्स (टीएसपी) और स्टेक होल्डर्स द्वारा किए गए व्यापक प्रारंभिक कार्य को देखते हुए, इस सक्रिय उपाय से ग्राहकों की असुविधा को कम किए जाने की उम्मीद है।सेलुलर ऑपरेटर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया (सीओएआई) के महानिदेशक लेफ्टिनेंट जनरल डॉ. एसपी कोचर के अनुसार, 90 प्रतिशत से अधिक पीई, जो कमर्शियल ट्रैफिक का बहुमत रखते हैं, ने सफलतापूर्वक अपनी सीरीज रजिस्टर्ड करवा ली है।कोचर ने एक बयान में कहा, ग्राहकों की किसी भी तरह की बाधा को कम करने के लिए टीएसपी ने 1 नवंबर, 2024 से लॉगर मोड में पीई–टीएम बाइंडिंग शुरू की।उन्होंने आगे बताया कि फेज के दौरान, ट्रैफिक को हैश मिसमैच या अनरजिस्टर्ड चेन की वजह से ब्लॉक नहीं किया गया, जिससे

टीएसपी को पीई संस्थाओं और टेलीमार्केटर्स के साथ मिलकर विफलताओं की पहचान करने और उन्हें संबोधित करने की अनुमति मिली।सीओएआई महानिदेशक ने कहा, इस आयोजन में विभिन्न बैठकें और कई वेबिनार शामिल थे, जिनमें बीएफएसआई, बीमा, राज्य और केंद्र सरकार के निकायों सहित विभिन्न क्षेत्रों से हजारों प्रतिभागियों ने भाग लिया। इससे चेन रजिस्ट्रेशन प्रोसेस पर जागरूकता की सुविधा मिली, हैशिंग फंक्शन के लिए टेक्निकल बदलावों पर मार्गदर्शन प्रदान किया गया और अन्य परिचालन आवश्यकताओं को संबोधित किया गया।सारे सामूहिक प्रयास कमर्शियल मैसेज की ट्रेसबिलिटी और सुरक्षा सुनिश्चित करने की दिशा में एक परिवर्तनकारी कदम है।कोचर ने कहा, यह पहल न केवल उपभोक्ताओं को धोखाधड़ी और अनचाहे कमर्शियल मैसेज से बचाएगी, बल्कि संचार नेटवर्क में विश्वास भी बढ़ाएगी।

जो रूट ने एक हफ्ते में हैरी ब्रूक से छीनी टेस्ट की बादशाहत, ये खिलाड़ी बना नंबर वन टी20 गेंदबाज

आईसीसी बुधवार को टेस्ट और टी20 प्लेयर्स की ताजा रैंकिंग जारी की है। इंग्लैंड के दिग्गज क्रिकेटर जो रूट फिर से नंबर 1 टेस्ट बल्लेबाज बन गए हैं। उन्होंने एक हफ्ते में हमवतन हैरी ब्रूक से बादशाहत छीन ली। रूट के खाते में फिलहाल 895 रेटिंग अंक हैं।

इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल ने बुधवार को टेस्ट और टी20 प्लेयर्स की ताजा रैंकिंग जारी की है। इंग्लैंड के दिग्गज क्रिकेटर जो रूट फिर से नंबर 1 टेस्ट बल्लेबाज बन गए हैं। उन्होंने एक हफ्ते में हमवतन हैरी ब्रूक से बादशाहत छीन ली। रूट के खाते में फिलहाल 895 रेटिंग अंक हैं। उन्होंने हाल ही में इंग्लैंड वर्सेस न्यूजीलैंड तीसरे टेस्ट में 54 और 32 रन की पारी खेली थी। वहीं ब्रूक का बल्ला पूरी तरह खामोश रहा। उन्होंने मैच में महज एक रन बनाया। उनका पहली पारी में खाता नहीं खुला था। ब्रूक 876 अंकों के साथ दूसरे स्थान पर खिसक गए हैं। उन्हें 22 अंकों का नुकसान हुआ।

न्यूजीलैंड के स्टार बल्लेबाज केन विलियमसन तीसरे पायदान पर हैं। उन्होंने तीसरे टेस्ट में शानदार शतक जमाया था और न्यूजीलैंड ने 434 रनों से विशाल जीत दर्ज की। विलियमनस 33वीं टेस्ट सेंचुरी ठोकने के बाद रूट से 28 रेटिंग अंक पीछे हैं। उनके 867 अंक हैं। टॉप–10 में भारत के दो बल्लेबाज हैं। यशस्वी जायसवाल चौथे और ऋषभ पंत नौवें नंबर पर हैं। भारत के खिलाफ गाबा टेस्ट में सेंचुरी मारने वाले ट्रैविस हेड पांचवें नंबर

मोहम्मद शमी आस्ट्रेलिया के खिलाफ खेलेंगे आखिरी दो मैच? रोहित शर्मा ने दिया ये जवाब

रोहित शर्मा ने प्रेस कन्फ्रेंस की। इस दौरान उन्होंने कहा कि, मुझे लगता है कि अब समय आ गया है कि एनसीए से कोई उसके बारे में बात करे। वह हमारी राष्ट्रीय क्रिकेट एकेडमी है जहां वह रिहैब कर रहा है। उन लोगों को आगे आकर हमें कुछ अपडेट देने की जरूरत है।

टीम इंडिया मौजूदा समय में ऑस्ट्रेलिया दौरे पर है। वहीं भारतीय टीम ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ ब्रिस्बेन टेस्ट ड्रॉ करा लिया। इस मैच में जसप्रीत बुमराह ने बेहतरीन गेंदबाजी की वहीं अन्य गेंदबाजों को मदद नहीं मिल रही है। ऐसे में मोहम्मद शमी की वापसी की मांग की जाने लगी। हालांकि, टेस्ट के बाद रोहित शर्मा ने शमी की वापसी को लेकर कहा कि वह कोई जल्दबाजी नहीं चाहते।रोहित शर्मा ने कहा कि वह शमी का टीम में स्वागत करने को तैयार है लेकिन इसके लिए जरूरी है कि एनसीए उन्हें इस बारे में साफ तौर पर बताए। भारतीय कप्तान के मुताबिक शमी घरेलू क्रिकेट खेल रहे हैं लेकिन अब भी उन्हें कुछ तकलीफें है। गाबा टेस्ट के बाद रोहित शर्मा ने प्रेस कॉन्फ्रेंस की। इस दौरान उन्होंने कहा कि, मुझे लगता है कि अब समय आ गया है कि एनसीए से कोई उसके बारे में बात करे। वह हमारी राष्ट्रीय क्रिकेट एकेडमी है जहां वह रिहैब कर रहा है। उन लोगों को आगे आकर हमें कुछ अपडेट देने की जरूरत है। लेकिन देखिए, मैं समझता हूं कि वह काफी खेल रहा है घरेलू क्रिकेट में, लेकिन उसके घुटने के बारे में भी कुछ शिकायतें हैं। हम नहीं चाहते हैं कि वह यहां आए और उन्हें कोई परेशानी हो। रोहित ने बात जारी रखते हुए कहा कि, जब तक हम सौ प्रतिशत नहीं, 200 प्रतिशत आश्वस्त न हों तब तक हम किसी भी तरह से ये मौका नहीं लेना चाहेंगे। हम कोई जोखिम नहीं लेने जा रहे हैं।

सुनीति और सुरुचि का ज्ञान ही मोक्ष का साधन है–कथा व्यास

बल्दीरायध्सुल्तानपुर(आरएनएस)। जो नीति नियम व सिद्धांत के अनुसार काम करे वह सुनीति व जो अपनी रुचि इच्छा से काम करे वह सुरुचि। सुरुचि से किया गया कार्य कभी–कभी बड़ी हानि पहुंचाता है। उक्त बातें कथा व्यास कैलाश नारायण तिवारी गायत्री शक्तिपीठ सुल्तानपुर ने बल्दीराय तहसील क्षेत्र के हरौरा बाजार में चल रही सात दिवसीय संगीतमयी श्रीमद्भागवत कथा के तृतीय दिवस की कथा में कही। तृतीय दिवस की कथा में कथा व्यास जी ने भक्त ध्रुव प्रहलाद की कथा का मनोरम वर्णन किया। कथा व्यास ने अनेक छोटी–छोटी लोक कथाओं के माध्यम से परिवार व समाज मे हो रहे विघटन कारी घटनाओं पर ध्यानाकर्षण किया। कथा के क्रम मे उन्होंने मन की दशा का बड़ा ही मनोरम वर्णन किया। उन्हाने कहा कि जब मन नियंत्रित होगा तो कार्य भी सुंदर होगा व सन्तुष्टि भी मिलेंगीं। मन को साधने से ही जीवन में परमानन्द की प्राप्ति होती है। कथा व्यास ने सुरुचि द्वारा बालक ध्रुव को राजा की गोद से नीचे उतार देने की कथा का बड़ा ही मार्मिक वर्णन किया। बच्चों के मन मे सांसारिक बातों के साथ ईश्वर व ब्रह्म की तरफ भी प्रेरित करें।तभी बच्चों में सद्गुणों का विकास होगा।बच्चे के कोख में आने पर माताओं के द्वारा किये गए कार्यों का प्रभाव कोख में पल रहे बच्चे पर सीधा असर डालता है।

किशोरी सशक्तिकरण कार्यक्रम के तहत मानवाधिकार दिवस का आयोजन

सुलतानपुर(आरएनएस)। ग्राम पंचायत मल्लेपुर पंचायत भवन में मानवाधिकार दिवस का आयोजन पानी संस्थान के द्वारा किया गया। इस वर्ष मानवाधिकार दिवस का विषय हमारा अधिकार हमारा भविष्य अभी से है। कार्यक्रम का शुभारम्भ गीता सिंह अध्यापक कम्पोजिट विद्यालय पिंगिरियावा, ग्राम प्रधान मल्लेपुरए आआंगनवाडी मल्लेपुर पंचायत सहायक मल्लेपुर एवं पानी संस्थान की वरिष्ठ कार्यकर्ता गीता एवं लीलावती द्वारा दीप प्रज्जवलित करके किया गया। उक्त कार्यक्रम में पानी संस्थान द्वारा भीटी ब्लाक में चल रहे किशोरी सशक्तिकरण कार्यक्रम में 07 ग्राम पंचायत से लगभग 300 किशोरियो ने प्रतिभाग किया। कार्यक्रम में किशोरियों द्वारा स्वागत गीत, नुक्कड़नाटक, एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम आदि प्रस्तुत किया गया। परियोजना समन्वयक रागिनी विश्वकर्मा द्वारा कार्यक्रम का उद्देश्य एवं मानवाधिकार दिवस के बारे में बताया गया। इस दौरान 07 ग्राम पंचयात के विद्यालयों के अध्यापकगण, आआंगनवाड़ी कार्यकर्ता, आशा पानी संस्थान की वरिष्ठ कार्यकर्ता लीलावती, गीता एवं पानी सस्थान की टीम उपस्थित रही।

शहीद भगतसिंह स्मृति ट्रस्ट निकालेगा `याद करो कुर्बानी' मार्च

अयोध्या(आरएनएस)। शहीद भगतसिंह स्मृति ट्रस्ट द्वारा काकोरी के महानायकों का शहादत दिवस 19 दिसम्बर को सुबह 10 बजे से पुष्पराज चौराहा बिजली दफ्तर प्रांगण पर सभा करके "याद करो कुर्बानी"मार्च जेल परिसर तक निकाल करके अमर शहीद अशफाक उल्लाह खां फांसी घर उनकी प्रतिमा के पास पहुंचकर श्रधांजलि अर्पित किया जाएगा।

ट्रस्ट के चेयरमैन सत्यभान सिंह जनवादी ने कहा कि इस कार्यक्रम में तमाम प्रगतिशीलत व साहित्यिक समाजिक लोग शामिल होंगे। कार्यक्रम सुबह 10,30 बजे से सभा के बाद मार्च निकलेगा।यह मार्च ट्रस्ट के सदस्य शिबधर द्विवेदी, विश्वजीत सिंह राजू,धीरज द्विवेदी,रामजी तिवारी,अजय बाबा,पूजा श्रीवास्तव,डाक्टर नीरज सिन्हा,रामसुरेश निषाद,शेरबहादुर शेर,के नेतृत्व में निकलेगा सभी साथियों से अपील है कि काकोरी के महानायक की याद में आयोजित श्रधांजलि सभा मे शामिल होकर श्रधांजलि अर्पित करे।

देवी शरण वर्मा बनाए गए किसान प्रकोष्ठ के जिलाध्यक्ष

अयोध्या(आरएनएस)। राष्ट्रीय लोकदल के किसान प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष धपिछड़ा आयोग के सदस्य राम कृष्ण पटेल ने राष्ट्रीय लोकदल के राष्ट्रीय अध्यक्ष चौधरी जयंत सिंह के निर्देशानुसार अवध जोन के अध्यक्ष चौधरी रामसिंह के परामर्श कर देवी शरण वर्मा निवासी पूरे पहली सरियावां को राष्ट्रीय लोकदल किसान प्रकोष्ठ का जिलाध्यक्ष मनोनीत किया है उक्त जानकारी देते हुए राष्ट्रीय लोकदल के जिला महासचिव संगठन राम शंकर वर्मा ने बताया कि देवी शरण वर्मा बीकापुर विधानसभा के पूरे पहली सुरियावां के निवासी हैं जो करीब 15 वर्षों से राष्ट्रीय लोकदल में विभिन्न पदों पर संगठन की जिम्मेदारी निभा चुके हैं उनके मनोनीत होने पर राष्ट्रीय लोकदल के जिला अध्यक्ष बलराम यादव, एससी–एसटी प्रकोष्ठ अवध जोन अध्यक्ष बेचूलाल ज्ञान,अवध जोन सचिव नेतराम वर्मा, महासचिव हरिश्चंद्र यादव,महानगर अध्यक्ष अरविंद सिंह महन्थ जिला उपाध्यक्ष राजेश तिवारी, युवा रालोद प्रदेश सचिव सुरजीत वर्मा, जिला सचिव अजीत वर्मा,करियाराम वर्मा,युवा रालोद जिलाध्यक्ष अनिल वर्मा, महिला जिला अध्यक्ष डॉक्टर शान्ति देवी,युवा रालोद महानगर अध्यक्ष अमित पाण्डेय, राममिलन वर्मा, राम जियावन बर्मा, अवधेश रावत,अनिल पाण्डेय आदि ने हर्ष व्यक्त किया।

हिन्दू महासभा 5 को निकालेगी हिन्दू राष्ट्र रामराज्य संकल्प छतरी यात्रा

अयोध्या(आरएनएस)। अखिल भारत हिन्दू महासभा की तमिलनाडु इकाई गत कई वर्षों की भांति इस बार भी अयोध्या में छतरी यात्रा निकालने जा रही है। इस बार छतरी यात्रा हिन्दू राष्ट्र राम राज्य संकल्प यात्रा के नाम से जानी जाएगी। यह यात्रा 5 जनवरी को बिड़ला मंदिर से आरंभ होकर हनुमान गढ़ी जाएगी और हिन्दू महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष रविन्द्र कुमार द्विवेदी, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष पंडित आत्माराम तिवारी, अखण्ड आर्यावर्त आर्य महासभा त्रिदंडी के राष्ट्रीय अध्यक्ष ऋषि त्रिवेदी और तमिलनाडु अध्यक्ष रमेश बाबू के नेतृत्व में वहां के गद्दीनशीन महंत प्रेमदास जी महाराज को छतरी देकर भगवान हनुमान के चरणों में समर्पित करेगी। हिन्दू महासभा के कार्यकर्ता रामराज्य और हिन्दू राष्ट्र निर्माण का संकल्प लेंगे। यह जानकारी हिन्दू महासभा के राष्ट्रीय मंत्री अधिवक्ता राकेश दत्त मिश्र ने दी। उन्होंने ने बताया कि हिन्दू महासभा की तमिलनाडु इकाई द्वारा दस साल पहले राष्ट्रीय उपाध्यक्ष आत्माराम तिवारी और तमिलनाडु के प्रदेश अध्यक्ष रमेश बाबू प्रमुख धार्मिक स्थलों पर वैदिक मंत्रोच्चार से पूजित छतरी लेकर अयोध्या हनुमान गढ़ी पहुंचे थे और श्रीराम भूमि जन्मभूमि पर मंदिर निर्माण का संकल्प लिया था। जन्मभूमि पर रामलला की प्राण प्रतिष्ठा होने तक हर साल हनुमान गढ़ी में छतरी समर्पित की जाती रही और मंदिर निर्माण का संकल्प लेकर पूरे देश को मंदिर निर्माण का संदेश दिया गया। 22 जनवरी 2024 को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा मंदिर में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा होने के बाद छतरी यात्रा को हिन्दू राष्ट्र राम राज्य स्थापना छतरी यात्रा का नाम दिया गया। इस बार 5 जनवरी को अयोध्या पहुंचने वाली दिव्य और भव्य छतरी का गत दिनों चेन्नई में वैदिक मंत्रोच्चार से पूजन किया गया। अब यह छतरी तमिलनाडु के विभिन्न पवित्र धर्मस्थलों पर वैदिक मंत्रोच्चार से पूजित होकर 5 जनवरी को हनुमान गढ़ी में समर्पित होगी। अयोध्या में हिन्दू महासभा के राष्ट्रीय मंत्री राकेश दत्त मिश्र ने छतरी यात्रा पर कहा कि वो हिन्दू राष्ट्र रामराज्य संकल्प छतरी यात्रा को भव्य बनाने की तैयारियों को मूर्त रूप देने में जुट गए है।जिलाध्यक्ष रामधन निषाद प्रधान के नेतृत्व में एक तैयारी समिति का गठन किया गया है। यह समिति चेन्नई से अयोध्या पहुंचने वाले प्रतिनिधियों के स्वागत, छतरी यात्रा के आयोजन की व्यवस्था और प्रशासनिक व्यवस्था का कार्यभार संभालेगी।

युवती के साथ दुष्कर्म करने वाला युवक गिरफ्तार, भेजा गया जेल

मिल्कीपुर–अयोध्या(आरएनएस)। इनायत नगर थाना क्षेत्र के एक गांव में एक युवती को मनचले युवक द्वारा घर में घुस कर हवस का शिकार बनाए जाने का मामला प्रकाश में आया है। पुलिस ने पीड़िता की मां की तहरीर पर केस दर्ज करके मामले में तत्परता दिखाते हुए घटना के कुछ घंटे बाद ही आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है।इनायत नगर थाना की पुलिस चौकी हैरिंग्टनगंज क्षेत्र अंतर्गत एक गांव निवासी महिला ने पुलिस को शिकायती पत्र देते हुए आरोप लगाया है कि मंगलवार को पति–पत्नी दोनों भेंड़ चराने गये थे। घर में उनकी बेटी को अकेली देखकर गांव निवासी अशोक कुमार यादव उनके घर में घुस आया और बेटी के साथ जबरन दुष्कर्म किया तथा बेटी को घटना की जानकारी किसी से न बताने की धमकी देते हुए भाग गया। शाम को जब पति–पत्नी वापस घर आये तो बेटी ने मां से रो–रोकर अपने साथ हुई घटना के बारे में बताया। जिसके बाद युवती की मां इनायत नगर थाने पहुंच कर अशोक कुमार यादव के खिलाफ तहरीर देते हुए मामले में प्रभावी कार्यवाही किए जाने की मांग की, जिसके बाद प्रभारी निरीक्षक देवेन्द्र कुमार पाण्डेय ने मामले में केस दर्ज करके आरोपी की तलाश शुरू कर दिया। पुलिस ने मामले में तत्परता दिखाते हुए कर जेल भेज दिया गया है।

मखदूम साहब के 608वें उर्स में जियारत को उमड़े अनुयायी

रूदौली–अयोध्या(आरएनएस)। उर्स ए शेखध उल आलम सूफी संत हजरत शेख अहमद अब्दुल हक मखदूम साहब के 608वें उर्स में आज अंतिम दिन खिरके झुबबे शरीफ की जियारत (दर्शन) के साथ उर्स सम्पन्न हुआ।

मखदूम साहब के उर्स के अवसर पर मखदूम साहब और बुजुर्गों के तबर्रुकात की जियारत करने के लिए देश भर से आए अनुयायी इकठ्ठा थे। मखदूम साहब के सैकड़ों वर्ष पूर्व के पवित्र वस्त्र की जियारत सज्जादा नशीन मुतवल्ली शाह अम्मार अहमद अहमदी नय्यर मियां ने कराई इस इस मौके पर अजमेर शरीफ के गद्दी नशीन सैयद अली हमजा, खानकाह कादरिया बदायूं शरीफ के मौलाना अज्जाम मियां कादरी, खानकाह ए कालिमिया कटरा के सज्जादा नशीन अदील मियां कलीमी,खानकाह सफी पूर के अफजाल साफवी,अमरोहा के सज्जादा नशीन हादी मियां, खानकाह ए तसल्लिया भिवंडी मुंबई के सूफियान बाबा, मुरादाबाद के शिबली मियां, शाह वसीम मियां, सहित तमाम दरगाहों के सज्जादा नशीन मौजूद थे। आज खिरके झुबबे शरीफ की जियारत के मौके पर हजारों की संख्या में लोग मौजूद थे। इस मौके पर पूर्व विधायक अब्बास अली जैदी रुश्दी मियां, चेयरमैन जब्बार अली मौजूद रहे, खिरके झुबबे शरीफ की जियारत से पूर्व महफिल ए समा कव्वाली में कव्वालों ने कलाम पेश किया।

काकोरी एक्शन शताब्दी वर्ष पर आज होंगे विविध आयोजन

अयोध्या(आरएनएस)। काकोरी एक्शन शताब्दी वर्ष पर वृहस्पतिवार 19 दिसंबर को विविध आयोजन होंगे। काकोरी एक्शन के 97वें वर्ष पर सिविल लाइंस फैजाबाद स्थित प्रेस क्लब में शहादत दिवस पर देश की अनेकों जानीं मानी हस्तियां शामिल होंगी। इसमें नर्मदा बचाओ आंदोलन की प्रमुख मेधा पाटकर, वैज्ञानिक,शायर, लेखक तथा फिल्मकार गौहर रजा, क्रांतिकारी इतिहास लेखक सुभाष चन्द्र कुशवाहा, अमर शहीद अशफाक उल्ला खां के प्रपौत्र शादाब उल्ला खां प्रमुख हैं।

अशफाक उल्ला खां मेमोरियल शहीद शोध संस्थान द्वारा आयोजित इस समारोह में संस्थान द्वारा आयोजित प्रतियोगी परीक्षाओं के पुरस्कार, यतीमखाना, गुरुकुल तथा मूक–बधिर स्कूल के छात्रों को सहायता राशि एवं अंध विद्यालय के बच्चों को वस्त्र प्रदान किया जाएगा। काकोरी एक्शन 9 अगस्त 1925 को लखनऊ के निकट काकोरी रेलवे स्टेशन के पास दस क्रांतिकारियों द्वारा ट्रेन से सरकारी खाजाना लूटने की घटना के लिए जाना जाता है।यह सभी क्रांतिकारी गतिविधियों से देश को आजाद कराने वाले विचार के युवा थे। इस घटना का मुकदमा लखनऊ स्थित एक थिएटर में चलाया गया और चार क्रांतिकारियों को फांसी की सजा सुनाई गई। इसमें जेल से भाग जाने की शंका से सबसे कम उम्र के क्रांतिकारी राजेन्द्र लाहिड़ी को गोण्डा जेल में 17 दिसंबर को फांसी दे दी गई। जबकि शेष तीन लोगों को 19 दिसंबर 1927 को फैजाबाद में अशफाक उल्ला खां इलाहाबाद में ठाकुर रोशन सिंह तथा गोरखपुर में पंडित राम प्रसाद बिस्मिल को फांसी पर लटका दिया गया। क्रांतिकारियों के इस संगठन ने देश की आजादी के बाद देश और समाज की योजना बनाई तथा उसे जनता तक पहुंचाया। अशफाक उल्ला खां ने कहा "अगर हिंदुस्तान आजाद हो जाएं और बजाय गोरे आकाओं के हमारे वतनी भाई सल्तनत व हूकूमत की बागडोर अपने हाथ में लें लें और तफरीको – तमीज,गरीब व अमीर, जमींदार व कास्तकार में रहें तो ऐ खुदा मुझे एसी आजादी उस वक्त तक न देना जब तक मुल्क में मसावात कायम न हो जाए। मेरे इन ख्यालात से मुझको इस्तिराकी समझा जाए तो मुझे इसकी कोई फिकर नहीं – मैं हिंदुस्तान की एसी आजादी का ख्वाहिशमंद था जिसमें गरीब खुश और आराम से रहते और सब बराबर होते।खुदा मेरे बाद वह दिन जरूर लाए जबकि छतर मंजिल लखनऊ में अब्दुल्ला मिस्त्री और धनिया चमार, किसान भी मिस्टर खलीकुज्जमा और जगत नारायण मुल्ला व राजा साहब महमूदाबाद के सामने कुर्सी पर बैठे नजर आएं। संस्थान के प्रबंध निदेशक सूर्य कांत पाण्डेय ने कहा कि संस्थान क्रांतिकारी शहीदों का विचार नयी पीढ़ी तक पहुंचाने के लिए संकल्पित होकर आयोजनों को पिछले 26 वर्षों से करता रहा है। और इसी उद्देश्य से प्रतियोगी परीक्षाओं का हर साल आयोजन किया

पुलिस द्वारा हाउस अरेस्ट किये गये कांग्रेसी नेता

अयोध्या(आरएनएस)। उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष अजय राय के आह्वान पर प्रस्तावित विधानसभा घेराव कार्यक्रम में जा रहे जिले के कांग्रेसियों को पुलिस ने जगह–जगह रोक कर गिरफ्तार किया तथा जिले के तमाम कांग्रेसियों को उनके घर में हाउस अरेस्ट कर दिया गया। कांग्रेस कार्यालय कमला नेहरू भवन पर गिरफ्तार किए गए जिला अध्यक्ष अखिलेश यादव ने प्रशासन की इस कदम को दमनकारी तथा लोकतंत्र विरोधीबताया। लखनऊ बाईपास रोड पर गिरफ्तार किए गए महानगर अध्यक्ष वेद सिंह कमल ने कांग्रेस जनों की गिरफ्तारी पर कहा उत्तर प्रदेश सरकार अपने विरुद्ध उठाई गई हर आवाज को दबाना चाहती है। कौशलपुरी कॉलोनी से गिरफ्तार किए गए जिला प्रवक्ता सुनील कृष्ण गौतम ने कहा प्रदेश की भाजपा सरकार हर मोर्चे पर विफल है। प्रदेश सरकार द्वारा कांग्रेस जनों का किया जा रहा दमन यह दर्शाता है की सरकार डरी और सहमी है। प्रशासन द्वारा महिला जिला अध्यक्ष रेनू राय ,कोषाध्यक्ष अब्दुल हकीम, रुद्र प्रताप सिंह रिशु, शिवपूजन पांडे, संजय तिवारी ,तेजबली पांडे ,विकास सिंह विकी ,शैलेश शुक्ला ,शैलेंद्र पांडे ,सेवा दल महानगर अध्यक्ष बसंत मिश्रा ,महिला नेता शालिनी पांडे, रामकरण कोरी,एससी एसटी प्रकोष्ठ के अध्यक्ष रामसागर रावत, ब्लॉक अध्यक्ष बीकापुर आशुतोष सिंह ब्लॉक अध्यक्ष मसौदा राहुल मौर्य, मिल्कीपुर ब्लॉक अध्यक्ष प्रशांत पांडे, रुदौली ब्लॉक अध्यक्ष सती प्रसाद, अमानीगंज ब्लाक अध्यक्ष तेजबली पांडे, अनिल तिवारी, अनिल सिंह, फ्लावर नकवी, ज्योति श्रीवास्तव,प्रदीप निषाद,डॉ अनन्त राम सिंह ,सुरेश राणा विधान सभा अध्यक्ष गोसाईगंज,धर्मेंद्र सिंह फास्टरपूर्व जिलाध्यक्ष सहकारिता प्रकोष्ठ, मिल्कीपुर ब्लॉक के,महेश पांडे, अमरीश पाण्डेय,डॉ राज बहादुर शुक्ला ,शुभम मिश्रा, राकेश यादव ,मोहम्मद अलीम खान ,शिवनारायण गुप्ता, शिव बहादुर दुबे, जिला उपाध्यक्ष प्रदीप निषाद,शेर बहादुर दुबे, सुरेंद्र बहादुर वर्मा ,अंशुमान शुक्ला ,तेजबली पांडे ब्लॉक अध्यक्ष अमानीगंज, अमबरीश कुमार पांडे जिला उपाध्यक्ष, दिनेश कुमार शुक्ला , विकास सिंह, विकी, जग प्रसाद रावत ,जगन प्रजापति, बलबीर कोरी ,दिनेश चौधरी, आशुतोष सिंह ब्लाक अध्यक्ष बीकापुर,बृजेश रावत पूर्व प्रत्याशी विधानसभा, अंकित जैन, अयोध्या से पूर्व पार्षद संजय पांडे ,हनुमान मिश्रा, पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष प्रतिनिधि शैलेंद्र मणि पांडे, जिला महासचिव लाल मोहम्मद, कोषाध्यक्ष अब्दुल हकीम, प्रवीण श्रीवास्तव ,राकेश तिवारी आदि तमाम नेताओं को उनके घर में ही हाउस अरेस्ट कर लिया गया।

समीक्षा बैठक करते डीएम चन्द्र विजय सिंह

आईजीआरएस की शिकायतों का सभी विभाग समय से करें निस्तारण – चन्द्र विजय सिंह

–डीएम ने विकास एवं निर्माण योजनाओं के प्रगति की किया समीक्षा बैठक

अयोध्या(आरएनएस)। मुख्यमंत्री कमाण्ड सेन्टर द्वारा सीएम डैशबोर्ड के फ्लैगशिप प्रोजक्टों की नवंबर 2024 की जारी रैंकिंग के आधार पर विकास एवं निर्माण सम्बंधी योजनाओं की प्रगति की समीक्षा बैठक जिलाधिकारी चन्द्र विजय सिंह की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में आहूत की गयी है। जिलाधिकारी ने जनकल्याणकारी योजनाओं के आवेदनों का नियमित सत्यापन कराने तथा जनकल्याणकारी योजनाओं का व्यापक प्रचार प्रसार के निर्देश सम्बंधित अधिकारियों को दिये। उन्होंने सिंचाई विभाग को सिल्ट सफाई के सत्यापन हेतु सम्बंधित अधिकारी को निर्देशित किया। जिलाधिकारी ने जल जीवन मिशन ग्रामीण से सम्बंधित अधिकारियों को फील्ड विजिट करने तथा प्रतिमाह लक्ष्यों को निर्धारित कर समय पर पूर्ण करने एवं जिन–जिन स्थानों पर सड़क कटिंग का कार्य किया जा रहा है उसको ठीक कराने के निर्देश दिये। उन्होंने स्वास्थ्य विभाग की समीक्षा में अस्पतालों में एक्सरे, सिटी स्कैन सहित अन्य उपकरणों आदि की व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश सम्बंधित अधिकारियों को दिये। उन्होंने विकास प्राधिकरण को सड़कों का गुणवत्तापूर्ण ढंग से कार्य को पूरा करने तथा निराश्रित गोवंश का अभियान चलाकर उनको

आश्रय स्थलों तक पहुंचाने के निर्देश सम्बंधित विभाग के अधिकारियों को दिये। जिलाधिकारी ने कहा कि सभी विभाग आई0जी0आर0एस0 की शिकायतों का समय से गुणवत्तापूर्ण निस्तारण करें। इसके साथ–साथ डी0पी0आर0ओ0, कृषि, नेडा, निर्माण कार्यदायी संस्था यथा–यूपीपीसीएल, राजकीय निर्माण निगम, पर्यटन विभाग, आवास विकास, सेतु निगम आर0ई0एस0, लोक निर्माण विभाग, नगर निगम, सहित अन्य संस्थाओं की बिंदुवार समीक्षा करते हुये कार्य को गुणवत्ता पूर्ण व समय सीमा के अन्तर्गत पूर्ण कराने के निर्देश दिये। जिलाधिकारी ने समीक्षा के दौरान अतिरिक्त ऊर्जा विभाग के तहत संचालित पंडित दीनदयाल उपाध्याय सोलर स्ट्रीट लाइट योजना एवं सोलर स्ट्रीट लाइट वी0के0एस0 ग्राम उन्नति योजना, उद्यान विभाग के अन्तर्गत एकीकृत बागवानी विकास मिशन एवं पर ड्राप मोर क्राप माइक्रोइरिगेशन, ऊर्जा विभाग के अन्तर्गत खराब ट्रांसफार्मरों की शिकायतें, दैनिक विद्युत आपूर्ति घंटे ग्रामीण व शहरी, विद्युत बिलों में सुधार हेतु आवेदन, कृषि विभाग के अन्तर्गत कृषि रक्षा, रसायन, डीवीटी, प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि, प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना, बीज डीबीटी की समीक्षा की गयी। इसके साथ ही ग्राम्य विकास, ग्रामीण अभियंत्रण, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य, दुग्ध विकास, दिव्यांग सशक्तिकरण, नमामि गंगे एवं ग्रामीण जलापूर्ति, नियोजन, पंचायती राज, पर्यटन, पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन, प्राथमिक शिक्षा, पशुधन, पिछड़ा वर्ग कल्याण, मत्स्य, महिला एवं बाल विकास, माध्यमिक शिक्षा, युवा कल्याण, लोक निर्माण, व्यवसायिक शिक्षा कौशल विकास एवं उद्यमिता, श्रम एवं सेवायोजन, सूक्ष्म एवं मध्यम उद्यम, समाज कल्याण, सहकारिता, सिंचाई एवं जलसंसाधन व लोक शिकायत विभाग केअन्तर्गत संचालित परियोजनाओं की बिन्दुवार समीक्षा की गयी।

बसपा प्रदेश अध्यक्ष ने की संगठन के कार्यों की समीक्षा

अंबेडकरनगर।बहुजन समाज पार्टी कभी भी पूंजी पतियों के सामने घुटने नहीं टेकती है।बुधवार को बहुजन समाज पार्टी के जिला स्तरीय कार्यकर्ता बैठक में बसपा प्रदेश अध्यक्ष विश्वनाथ पाल ने कहा कि जितने भी राजनीतिक दल हैं पूंजी पतियों से हजारों करोड़ो लेकर अपनी पार्टी चलाते हैं और जब सत्ता में आते हैं तो पूंजी पतियों की इसारे पर कार्य करते हैं आज इसी का नतीजा है कि महंगाई,बेरोजगारी और अपराध चरम सीमा पर है।

देश को उन्नत के रास्ते पर ले जाने के लिए बहुजन समाज पार्टी जिला स्तरीय कार्यकर्ता की बैठक में मुख्य अतिथि प्रदेश अध्यक्ष विश्वनाथ पाल ने संगठन के कार्यों की समीक्षा करते हुए आगे की रणनीति पर कार्य करने के लिए निर्देशित किया।बैठक की अध्यक्षता अयोध्या मंडल के प्रभारी दिलीप कुमार विमल एवं संचालन जिला अध्यक्ष सुनील सावंत गौतम ने किया । बैठक में प्रमुख रूप से अयोध्या मंडल प्रभारी अरविंद गौतम दयाराम राजभर, रामनयन निर्दोष, बलराम निषाद, जंगबहादुर गुड्डू, अनिल शर्मा, रोहित प्रजापती, राधेश्याम राजभर, आकरम् इदरीशी , नदीम अंसारी, रामबहोर राव,छेदीराम मौर्य, आज्ञाराम प्रधान, राजबहादुर,बृजलाल भारती आदि मौजूद रहे।

भाजपा पूर्व जिलाध्यक्ष द्वारा विद्यार्थियों को वितरित किया गया स्मार्टफोन

अंबेडकर नगर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में विद्यालयों के विद्यार्थियों को शिक्षा सहित अन्य क्षेत्रों में स्मार्ट बनाने के लिए 19 अगस्त 2021को शुरू की गई टैबलेट फोन का वितरण विद्यालयों में किया जा रहा है।पूर्व भाजपा जिलाध्यक्ष कपिल वर्मा ने विद्यालय के संरक्षक डॉ एस एम वर्मा,प्राचार्य डॉ ए जे प्रजापति की उपस्थिति में बुधवार को हुलासी देवी स्मृति महाविद्यालय देव धाम गंजा अकबरपुर में विद्यार्थियों को स्मार्ट फोन टैबलेट वितरण करते हुए कहा कि सूबे के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने 19 अगस्त 2021 को प्रदेश के विद्यार्थियों को शिक्षा एवं प्रतियोगी परीक्षाओं के क्षेत्र में स्मार्ट और योग्य बनाने के लिए टैबलेट और स्मार्ट फोन का वितरण की योजना का शुभारम्भ किया गया था। कहा कि इस योजना के माध्यम से करोड़ों युवाओं को स्मार्ट फोन टैबलेट फोन वितरण करने के लिए 3 हजार करोड़ रुपए धन का आवंटन किया गया है। कहा कि यू पी टैबलेट स्मार्ट फोन योजना का लाभ ग्रेजुएशन, पोस्ट ग्रेजुएशन,टेक्निकल और डिप्लोमा की पढ़ाई करने वाले छात्र प्राप्त कर सकते हैं।

कांग्रेसजनों को प्रदर्शन करने से रोका जाना अलोकतांत्रिक – सुनील मिश्र

अम्बेडकरनगर, उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी द्वारा 18 दिसम्बर को विभिन्न जनसमस्याओं और मुद्दों को लेकर सरकार को जगाने के लिए विधानसभा का घेराव प्रस्तावित था उक्त बातें जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष सुनील

मिश्र ने जिला कांग्रेस कमेटी कार्यालय अम्बेडकरनगर पर कही।उन्होंने कहा परंतु सरकार ने अलोकतांत्रिक तरीके से जनपद के लगभग समस्त कांग्रेसजनो को घर पर रोक लिया गया। पूर्ववर्ती सरकार ने कभी भी इस तरीके से कार्य नहीं किया। इस दौरान मीडिया इंचार्ज अवधेश कुमार मिश्र ष्बब्लूष्, जिला उपाध्यक्ष गुलाम रसूल ष्छोटूष्, रवीश शुक्ला, वरिष्ठ कांग्रेस नेता श्रीकांत वर्मा, युवा कांग्रेस के प्रदेश महासचिव विशाल वर्मा, सुखीलाल वर्मा, कटेहरी ब्लाक अध्यक्ष देवमणि पाठक, अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ के प्रदेश सचिव मो जियाउद्दीन अंसारी, सहकारिता प्रकोष्ठ के जिला अध्यक्ष उदयभान मिश्र राजबहादुर, जिला महासचिव शीतला प्रसाद श्रीवास्तव ष्सोनूष्, राजीव कसौधन समेत अनेक कांग्रेसजन मौजूद रहे।

फैजाबाद बार एसोसिएशन अयोध्या के नवनिर्वाचित पदाधिकारी

अयोध्या(आरएनएस)। फैजाबाद–अयोध्या बार एसोसिएशन के प्रतिष्ठापूर्ण अध्यक्ष पद पर सूर्य नारायण सिंह जबकि मंत्री पद पर गिरीश चंद्र त्रिपाठी ने कब्जा किया है उपाध्यक्ष पद पर चंद्रभान सिंह व कोषाध्यक्ष पर वीरेंद्र मिश्र ने जीत हासिल की है। रिटर्निंग अफसर जोखू प्रसाद तिवारी ने बताया कि अध्यक्ष पद पर सूर्य नारायण सिंह 717 ने रनर रहे बब्बन प्रसाद चौबे 386 को 331 मतों से पराजित किया। इसके अलावा अरविंद कुमार सिंह को 291, मंसूरी इलाही को 104 राजीव पांडेय को 129 रामशंकर यादव 166 वाईवी मिश्रा 218 सुरेंद्रनाथ मिश्र उर्फ बबलू मिश्रा को 104 मतों से संतोष करना पड़ा। उपाध्यक्ष पद पर चंद्रभान सिंह 620 ने रनर रहे राजेश कुमार उपाध्याय 430 को 190 मतों से पराजित किया। इनके अलावा अंजनी कुमार त्रिपाठी उर्फ प्रभु जी 295 गोपाल कुमार उपाध्याय 193 दूध नाथ यादव 348 सुरेंद्र कुमार पांडेय 153 सुशील कुमार मिश्रा उर्फ चुन्नू को 50 मत मिला। महामंत्री पद पर गिरीश चंद्र तिवारी 739 ने शैलेंद्र कुमार जायसवाल 392 को 347 मतों से पराजित किया। इसके अलावा अजय कुमार श्रीवास्तव 327 मनोज कुमार सिंह 70 राजेश कुमार यादव 189 रविंद्र कुमार वर्मा 107 विनोद कुमार सिंह 137 विनोद चंद्र पांडेय 112 शेष कुमार तिवारी को मात्र 31 मतों से संतोष करना पड़ा। संयुक्त मंत्री प्रथम पर ऋषि कुमार मिश्रा 728 मत पाकर चुनाव जीते उनके अलावा भगवत प्रसाद पांडे को 405 मनोज कुमार सिंह को 612 और संतोष कुमार को 327 मत मिले। संयुक्त मंत्री द्वितीय पद पर राजीव तिवारी ने 762 मत पाकर जीत दर्ज की इनके अलावा अखंड प्रताप यादव को 678 अजय श्रीवास्तव को 464 राकेश कुमार को 149 मत मिले। कोषाध्यक्ष पद पर वीरेंद्र कुमार मिश्रा 621 ने अशोक कुमार दुबे 573 को 48 मतों से पराजित किया। इनके अलावा जयप्रकाश पाल को 449 मोहम्मद इस्माइल सिद्दीकी को 422 वोट मिले। कार्यकारिणी ए पर दिलीप कुमार मिश्रा 1045 और पूर्णिमा सिंह ने 1196 मत पाकर जीत दर्ज की जबकि रामचंद्र यादव को 663 मतों से संतोष करना पड़ा। कार्यकारिणी बी पर अरविंद कुमार पांडेय 819 और ममता सिंह 930 मत पाकर विजई हुए जबकि बद्री प्रसाद यादव को 683 विपुल कुमार यादव 273 दुर्गा प्रसाद सिंह को 396 मतों से संतोष करना पड़ा। कार्यकारिणी सी पद पर माधव कृष्ण पांडेय उर्फ लकी 796 मत तथा मयंक कुमार तिवारी 764 मत पाकर विजई हुए इनके अलावा गोपाल त्रिपाठी को 450 प्रदीप कुमार श्रीवास्तव को 525 और मोहम्मद सलीम नैयर को 556 वोटो से संतोष करना पड़ा।

स्वामी,प्रकाशक,मुद्रक,**सम्पादक कपिल देव शुक्ल** द्वारा विभव प्रिंटर्स गाटा सं025 लोलेपुर सुलतानपुर उ० प्र०. से मुद्रित तथा सलीमपुर ग्रेन्ट, पो० व थाना कुरेभार, जिला–सुलतानपुर (उ०प्र०) से प्रकाशित **सम्पादक– कपिल देव शुक्ल**,
मो० 9415739288,9721748962
E-mail: kdshukla-79@gmail.com समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र सुल्तानपुर न्यायालय होगा।